भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत अखबार

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758

जागरूक जनता

27 मई - 2 जून 2026

jagrukjanta.net

ज्येष्ठ, पक्ष - शुक्ल, तिथि - एकादशी , संवत 2083 पृष्ठ : 8 जयपुर, बुधवार वर्ष-12, अंक-13, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/- साप्ताहिक

पैट्रोल के दाम बढ़ते ही विपक्ष के साथ कुछ बुद्धिजीवी भी कर रहे हल्ला!

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

जब-जब भी पैट्रोल-डीजल के दाम बढ़ते हैं विपक्षी दल हल्ला मचाना शुरू कर देते है जैसे विपक्षी दलों ने सत्ता में रहते पैट्रोल-डीजल के मूल्य बढ़ाए ही नहीं हो। वर्तमान में वैश्विक स्थिति को देखते हुए नहीं चाहते हुए भी पैसे बढ़ाना अपरिहार्य हो जाता है। विपक्ष का काम है सरकार पर दबाव बनाए रखने का। मगर फिर भी स्थिति को समझना जरूरी होता है। पैट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने से निश्चित रूप से महंगाई बढ़ेगी और इसका विरोध भी होना चाहिए। मगर दूसरी तरफ भी बहुत सी बातें हैं जिनसे जनता का सीधा ही सामना होता है। उन पर कभी विचार नहीं किया जाता। संसद और विधानसभाओं में विपक्ष हो-हल्ला करके कार्य को बाधित करते हुए अमूल्य समय को बर्बाद कर देते हैं। संसद में भ्रष्टाचार पर चर्चा में मात्र एक-दूसरे पर भ्रष्टाचार के आरोप जरूर सुने जाते हैं जैसे कहते हैं ना कि 'तू चोर मैं सिपाही' वाली राग होती है परिणाम कुछ नहीं निकलता। हमने और आपने कभी संसद और विधानसभाओं में यह चर्चा होते नहीं सुनी कि थानों में भ्रष्टाचार को कैसे रोका जाए, नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार को कैसे रोका जाए, शहरों के विकास प्राधिकरणों में व्याप्त भ्रष्टाचार को कैसे रोका जाए, कलैक्ट्रेट हो या कोई भी सरकारी कार्यालयों में जाने पर वहां छोटे-छोटे कार्य के लिए पैसे क्यों देने पड़ते हैं। तहसीलों में किस तरह भ्रष्टाचार व्याप्त है, पटवारी खेतों को लेकर क्या करते हैं। वहां एक-दूसरे की जमीनें उनकी खातेदारी दूसरों के नाम कैसे चुपके से हो जाती है। ऐसी बहुत सी बातें हैं जिन पर संसद और विधानसभा में चर्चा करनी चाहिए और आम आदमी को छिपकर किए जाने वाले भ्रष्टाचार से मुक्ति दिलाने के बारे में बातचीत करनी चाहिए। आज अगर गंभीरता से विचार करें तो पहुंच वाले और पैसे वाले लोगों के लिए कोई काम असंभव नहीं है और गरीब लोगों के लिए छोटा सा काम भी संभव नहीं लगता वे चक्कर पे चक्कर काटते रहते हैं सरकारी कार्यालयों के। इसलिए ऐसे विषयों को मुद्दा बनाना चाहिए, जिससे वास्तव में गरीबों का भला हो सके।

shivdayalmishra@gmail.com

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पहुंचे बीकानेर स्थित सांचू पोस्टः जवानों से की राम-राम, शहीदों को किया नमन

ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने में बीएसएफ ने निभाई अहम भूमिका

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमारे सीमा प्रहरी तेज बारिश, अधिक तापमान, घने जंगल, बर्फीली चोटियों जैसी कठोर परिस्थितियों में देश की सुरक्षा करते हैं। वे कर्तव्यपरायणता, वीरता, साहस और सर्वोच्च बलिदान की भावना के साथ देश की सीमा पर मुस्तैदी से तैनात रहते हैं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी बीएसएफ के जवानों ने सीमावर्ती जिलों के नागरिकों का हौसला बनाए रखा और पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने आश्वस्त किया कि केन्द्र सरकार भारतीय सीमाओं पर तैनात बीएसएफ को आधुनिकतम तकनीक एवं बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। केन्द्रीय गृह मंत्री मंगलवार को बीकानेर स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ की सांचू पोस्ट पर प्रहरी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी साथ मौजूद रहे। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने सीमा सुरक्षा के परिदृश्य में आमूलचूल परिवर्तन किया है। सेना और बीएसएफ का आधुनिकीकरण किया गया है। वहीं, सुरक्षा की दृष्टि से अत्याधुनिक उपकरण और संसाधन उपलब्ध करवाए गए हैं तथा आतंकवादियों को मुहतोड़ जवाब देने की नीति अपनाई गई है।

जवानों के साथ किया जलपान

इस दौरान केन्द्रीय गृह मंत्री एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जवानों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने जवानों के साथ जलपान एवं संवाद भी किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री ने सीमा चौकियों पर नवनिर्मित 14 महिला बैरकों का ई-लोकार्पण किया। उन्होंने प्रहरी शस्त्र गैलरी का अवलोकन कर आधुनिक ड्रोन तकनीक की कार्यप्रणाली की जानकारी भी ली। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री ने सांचू माता मंदिर में दर्शन एवं पूजा-अर्चना की तथा देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की तथा खेजड़ी का पौधा लगाया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

वृक्षारोपण में सीमा प्रहरियों का बड़ा योगदान

उन्होंने बीएसएफ के दो हजार से अधिक शहीद सीमा प्रहरियों को नमन करते हुए कहा कि इन्होंने भारतीय सीमा की सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है और देश को इन पर गर्व है। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण में सीमा प्रहरियों का बड़ा योगदान है। वर्ष 2019 में सीमाओं पर पौधारोपण की विशेष मुहिम चलाई गई। अब तक 7 करोड़ 35 लाख पौधे जवानों द्वारा लगाए गए हैं। आने वाले समय में जलवायु परिवर्तन और पृथवी के तापमान को बनाए रखने में यह उपयोगी साबित होंगे।

बॉर्डर पर बेटों से भी दो कदम आगे बेटियां

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश की सीमाओं की सुरक्षा में आज बेटियां बेटों से दो कदम आगे है। केंद्र सरकार वर्ष 2030 तक इन बेटियों के लिए सभी सुविधाएं मुहैया करवाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में राजस्थान में बीएसएफ की सीमा चौकियों पर बेटियों के लिए 40 करोड़ रुपए की लागत से 79 बैरक स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से आज लोकार्पण हुए 14 बैरक सहित 67 का काम पूरा हो चुका है। शेष 12 बैरक का कार्य भी जल्द पूरा हो जाएगा। देश की सीमा चौकियों पर 200 करोड़ की लागत से 360 बैरक बनाए जा रहे हैं।

सांचू चौकी भारत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज

उन्होंने कहा कि सांचू ऐतिहासिक चौकी है तथा यहां आना उनके लिए बेहद हर्ष का विषय है। वर्ष 1965 में भारत-पाक युद्ध के दौरान, पाक ने सांचू पर कब्जा करने का प्रयास किया। तब यहां से 25 किलोमीटर दूर रणजीतपुरा में 3 आरएसी की चौकी थी। जब 13 ग्रेनेडियर के जवानों को इसकी सूचना मिली, तो भारत के जवानों ने पाकिस्तान पर भीषण हमला बोला और सांचू को सुरक्षित रखा और पाकिस्तान को यहां से भागना पड़ा। उन्होंने कहा कि वह 3 आरएसी अब बारहवीं वाहिनी बीएसएफ की बन गई है और यहां प्रतिवर्ष सांचू विजय दिवस मनाया जाता है। यह पोस्ट भारत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज है।

सीमापार अतिक्रमण, स्मगलिंग और घुसपैठ पर रखें पैनी नजर

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सांचू पोस्ट 179वीं बटालियन की महत्वपूर्ण बॉर्डर आउट पोस्ट है। केंद्र सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर 1096 किलोमीटर लंबी लिटरल रोड और 520 किलोमीटर लंबी एक्ससीएल रोड बनाई जा रही है। यह जवानों की आवागमन और कनेक्टिविटी सम्बन्धी चिंता को दूर करेगी। उन्होंने कहा कि सीमाओं पर नई डिजाइन की फेंसिंग की जा रही है। सीमा की 180 चौकियों पर पाइपलाइन से पीने का पानी पहुंचाने का काम पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ को परम्परागत ड्यूटी के साथ नई दिशा से भी सोचना होगा। सीमा के उस पार से अतिक्रमण, स्मगलिंग और घुसपैठ पर पैनी नजर रखनी होगी।

टाको ने सरिस्का टाइगर रिजर्व में एनआईसी सेंटर स्थापित करने के लिए एमओयू किया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। वन राज्य मंत्री संजय शर्मा की अध्यक्षता में मंगलवार को जयपुर स्थित अरण्य भवन में वन विभाग के साथ वेदांता ग्रुप की सामाजिक प्रभाव वाली संस्था, अनिल अग्रवाल फाउंडेशन की फ्लैगशिप एनिमल वेलफेयर पहल द एनिमल केयर ऑर्गेनाइजेशन ने सरिस्का टाइगर रिजर्व में अग्निवेश अग्रवाल नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर स्थापित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। शाइन फाउंडेशन सारिस्का में 1.04 करोड़ रुपये की लागत से कन्वेंशन सेंटर का निर्माण करने एमओयू किया , जिसका उपयोग वन विभाग द्वारा सम्मेलन, बैठकें और प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के लिए किया जाएगा।

इस अवसर पर पर संजय शर्मा, वन मंत्री, और प्रिया अग्रवाल हेब्बर, नॉन-एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर, वेदांता लिमिटेड, चेयरपर्सन, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड एवं एंकर की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर वन विभाग और वेदांता के वरिष्ठ अधिकारी एवं प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

सरिस्का टाइगर रिजर्व में प्रस्तावित नेचर इंटरप्रिटेशन सेंटर को वन्यजीव संरक्षण जागरूकता, पर्यावरण शिक्षा और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एक समर्पित स्थान के रूप में कल्पना की गई है। यह केंद्र आगंतुकों और स्थानीय समुदायों को जैव विविधता संरक्षण, पारिस्थितिकी स्थिरता तथा वन्यजीवों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्रों की सुरक्षा के महत्व को गहराई से समझने में मदद करेगा। संजय शर्मा और प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने रणथम्भौर टाइगर रिजर्व के लिए 8 निगरानी वाहनों को भी रवाना किया। ये पहल TACO के वन्यजीव संरक्षण पर बढ़ते फोकस को और मजबूत करती हैं, जो भारत भर के संरक्षित क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारियों और मैदानी स्तर के समर्थन के माध्यम से हो रही है। मिशन वनरक्षा के तहत TACO ने काजीरंगा नेशनल पार्क, जोरहाट फॉरेस्ट डिवीजन, रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व और रणथम्भौर टाइगर रिजर्व जैसे प्रमुख वन्यजीव क्षेत्रों को निगरानी वाहन, निगरानी उपकरण, वन दुर्गाओं के लिए आवास इकाइयां और एंटी-पोचिंग शिविरों का निर्माण कर वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को मजबूत किया है।

टीकाराम जूली का दावा

रोजाना करीब 1700 गर्भवती महिला भगवान भरोसे, 600 जननी एक्सप्रेस का थमा है पहिया

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर विपक्ष लगातार सरकार को घेर रही है। कोटा में हुए प्रसूता की मौत के बाद जांच में एक के बाद एक खुलासे हो रहे हैं। मामले में गलत दवाईयों के इस्तेमाल का राज खुला है। इस बीच राजस्थान के नेता प्रतीपक्ष टीकाराम जूली ने राजस्थान के स्वास्थ्य व्यवस्था पर सरकार से कड़े सवाल किए हैं। साथ ही कहा है कि प्रदेश में 1700 गर्भवती महिलाएं और नवजात शिशु भगवान भरोसे हैं। जूली ने कहा कि राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाओं की जो तस्वीर सामने आ रही है, वह बेहद चिंताजनक है। 'राइट टू हेल्थ' देने वाले हमारे प्रदेश में पिछले 170 दिनों से 600 'जननी एक्सप्रेस' एम्बुलेंस गाड़ियों के पहिए थमे हुए हैं। टेंडर प्रक्रिया समय पर पूरी न होने के कारण रोजाना करीब 1700 गर्भवती महिलाएं और नवजात शिशु भगवान भरोसे हैं।

कहीं आप गलत तेल के शिकार तो नहीं हो रहे है ?

देसी दिल के लिये, दादी वाला देसी तेल...

स्वदेशी पीली सरसों का तेल है, प्राचीन, पौष्टिक एवं परखा।

- प्राचीन शीतल विधि घाणी से निर्मित।
- निर्माण विधि उच्च ताप रहित।
- निर्माण में कोई रासायनिक प्रयोग नहीं।
- केन्सर को रोकने में लाभदायक ।*
- मधुमेह को नियंत्रित करने में लाभदायक ।
- एसीडीटी एवं गेस्टिक रोगों में मददगार ।
- रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने मे लाभदायक ।
- केवल देसी सरसों द्धारा निर्मित ।
- मोटापा घटाने में लाभदायक ।
- बालों के लिए एक उत्तम तेल ।
- ओमेगा 3 एवं ओमेगा 6 से भरपूर ।
- तीखी गंध रहित होने के कारण सभी व्यंजनों में उपयोगी ।
- अनेक औषधीय गुणों से भरपूर ।
- सभी तेलों के मुकाबले सबसे कम सेच्युरेटेड फेट्स ।*
- छः हजार वर्षों से मानव के लिए उपयोगी ।

Kabira Cold Pressed Oils are Also Available in :
Kachchi Ghani Mustard Oil (Pungent Smell)
Kachchi Ghani Groundnut Oil | Kachchi Ghani Sesame (Til) Oil

स्वस्थ जीवन के लिए कोनसा तेल उपयोग करें ?

तेल आप उपयोग करें	तेल आप उपयोग ना करें
कबीरा पीली सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड पामोलीन तेल
कबीरा कच्ची घानी सरसों का तेल	कबीरा रिफाईण्ड राईस ब्रान तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल	कबीरा ब्लेन्डेड एवं कनोला तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल	कबीरा रिफाईण्ड सोयाबीन तेल
कबीरा कोल्ड प्रेस्ड बादाम तेल	कबीरा रिफाईण्ड सूरजमुखी तेल
	कबीरा रिफाईण्ड मूंगफली तेल

कबीरा पीली सरसों तेल को फेक्ट्री मूल्य में लेने के लिए इस विज्ञापन एवं अपनी डिटेल्स को 90017-99117 पर व्हाट्सप करें और फ्री में लाइफ मेम्बर बनें एवं पाएं 590 रू. की चांदी की फ्रेम एवं केनवास बेग बिलकुल Free
ONLY FOR NEW MEMBER, LIMITED TIME OFFER

समस्त व्रत एवं उपवास में उपयोगी	केवल कबीरा कोल्ड प्रेस्ड मूंगफली का तेल
सर्दियों में उपयोगी	कबीरा कोल्ड प्रेस्ड तिल्ली का तेल
हर मौसम में उपयोगी	कबीरा पीली सरसों एवं कच्ची घानी सरसों तेल
दिपावली, दिपक प्रज्वलन के लिए	कबीरा तिल्ली एवं कच्ची घानी सरसों तेल

-: Awards & Achievements :-

For Arward Details : Contact 9829038807

To Open Kabira Hand Made Exclusive Store or Other Trade Inquiries Please Contact :
MANISHANKAR OILS PVT LTD
+91 98290 50738
www.manishankaroils.in
ALSO DEALS IN KISAN, PEEURA, TILAK, HANDMADE, MURARKA, BANSI, KABIRA COLD PRESSED (EDIBLE OIL, SPICES & TEA)
* In Reference to : Asian Journal of Dairy and Food Research (2019)
#GOVERNMENT OF INDIA'S NATIONAL AWARDED #GOVERNMENT OF RAJASTHAN'S UDYOG RATAN AWARDED

HBOT जीवन रक्षक प्रणाली द्वारा इलाज
ऑक्सीजन (प्राणवायु) ट्रीटमेंट

- मस्तिष्क चोट, पक्षाघात/लकवा
- सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म
- असाध्य घाव/शुगर के घाव
- कैंसर (रेडियो थेरेपी) के साईड इफेक्ट
- अचानक बहरापन (Hearing Loss)
- डाईबेटिक फुट में अम्पुटेशन (पैर कटने) से बचाव

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करेंः-
98290-17133, 70737-77133
9983317133
डॉ. हिमांशु अग्रवाल M.B.B.S. M.D.

नेशनल हायुपरबैरिक रिसर्च सेन्टर
594-B-C, जेम्स कॉलोनी, सैक्टर-3, मंदिर मोड, विद्याधर नगर, जयपुर

Dept. of Hyperbaric Medicine
Fortis Escorts Hospital
JLN Marg, Malviya Nagar, Jaipur

E-mail : hbotjaipur@gmail.com
www.nationalhbot.in

विद्याधर नगर के हाल-अलका सिनेमा तिराहा

अतिक्रमण से बदरंग हो रही परशुराम सर्किल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के अधीन आता है। चारों ओर विकास की गंगा बह रही है। वैसे विद्याधर नगर क्षेत्र शांत और सुव्यवस्थित क्षेत्र के लिए अपनी अलग पहचान रखता है। लेकिन इसके उलट कई स्थानों पर जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते हालात विकट हैं। पिछले सप्ताह हमने मंदिर मोड़ सर्किल के हाल से पाठकों को अवगत कराया था। अब हाल देखिए सीकर रोड पर एक नंबर रोड से पहले अलका सिनेमा तिराहे का। विद्याधर नगर थाने से महज 200 से 300 मीटर दूर यहां अतिक्रमणकारियों ने ये हाल कर रखा है कि वहां से रात की बात तो छोड़िए दिन में भी निकलना दूभर हो रहा है। सीकर रोड से अलका सिनेमा के सामने जैसे ही विद्याधर नगर की ओर मुड़ेंगे तो जहां पहले सुन्दर और चौड़ा रोड था फुटपाथ थी वहां अब झोपड़-झुग्गी बन चुकी है और उन झुग्गियों के बाहर गंदगी फैली रहती है। इन झुग्गियों में रहने वाले लोग खुले में नहाते हैं जिसका पानी सड़क पर ही बहता है। ये लोग आसपास सड़क किनारे ही शौच के लिए जाते हैं जिससे भी यहां गंदगी फैलती है। झुग्गियों में रहने वाले ये लोग कौन है इसके बारे में ये स्वयं तो पूछने पर बताते नहीं है। स्थानीय लोगों से अगर इनकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो जाए तो ये सब मिलकर झगड़ने लग जाते हैं। इन झोपड़ियों की तलाशी ली जाए तो हो सकता है इनमें असामाजिक तत्व भी मिल जाए। इन लोगों के कारण चौड़ा रास्ता होने के बावजूद वाहनों का निकलना दूभर हो जाता है। हालांकि यहां इस तिराहे पर झुग्गियों से सटी हुई यातायात पुलिस की एक गुमटी भी बनी हुई है। 8-10 वर्ष पहले यहां फुटपाथों पर पौधे बेचने वाले लोग बैठा करते थे, जिन्हें तत्कालीन विद्याधर नगर थाना प्रभारी ने उन्हें दूसरी तरफ जगह देकर इस जगह को एकदम अतिक्रमण मुक्त करा दिया था। उस दौरान विद्याधर नगर इलाके में फुटपाथ एकदम खाली और कहीं भी कोई अतिक्रमण नहीं होने दिया। यहां तक कि फल-सब्जी और अंडे बेचने वालों तक को फुटपाथ से हटा दिया था। मगर, अब तो परशुराम सर्किल से लेकर सेक्टर 6 पैट्रोल पम्प के पास सर्किल तक और परशुराम सर्किल से लेकर मंदिर मोड़ सर्किल तक अतिक्रमण होते ही जा रहे हैं। कोई रोकने-टोकने वाला नहीं है। परशुराम सर्किल पर भगवान परशुराम की मूर्ति लगी हुई है और यहां कभी भी इन झुग्गी झोंपड़ी में रहने वाले असामाजिक तत्वों द्वारा शरारत की जा सकती है। इसलिए संबंधित संस्थाओं और अधिकारियों को चाहिए कि इस ओर ध्यान देकर इन अतिक्रमणकारियों को यहां से हटाना चाहिए।

क्रमशः

चौराहों की बदलेगी सूरत, अधिकारियों को मिलेगी जिम्मेदारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जयपुर शहर के व्यस्त चौराहों पर लगने वाले ट्रैफिक जाम, अव्यवस्थित यातायात और अवैध होर्डिंग्स से परेशान वाहन चालकों को अब जल्द राहत मिल सकती है। ट्रैफिक पुलिस ने शहर के प्रमुख चौराहों की व्यवस्था सुधारने और उन्हें सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत ट्रैफिक इंस्पेक्टर के साथ-साथ पुलिस अधिकारियों को भी जिम्मेदारी सौंपी है। प्रत्येक अधिकारी को एक-एक चौराहे की निगरानी और सुधार कार्य की जिम्मेदारी दी जाएगी ताकि व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। डीसीपी (ट्रैफिक) योगेश गोयल ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग और रिपोर्टिंग के निर्देश दिए हैं। अभियान के दौरान चौराहों की स्थिति, यातायात व्यवस्था और वहां किए जा रहे सुधार कार्यों की लगातार समीक्षा की जाएगी। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी ताकि किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

अभियान से होंगे कई फायदे

इस विशेष मुहिम का मुख्य उद्देश्य शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाना और वाहन चालकों को सुरक्षित और सुगम सफर उपलब्ध कराना है। इसके तहत सबसे पहले चौराहों के आसपास लगे अवैध होर्डिंग्स, पोस्टर और बैनर हटाए जाएंगे। कई स्थानों पर ऐसे होर्डिंग्स वाहन चालकों का ध्यान भटकाने के साथ दृश्यता भी बाधित करते हैं, जिससे हादसों का खतरा बढ़ जाता है। नगर निगम के सहयोग से इन्हें हटाने का काम शुरू किया गया है। साथ ही, प्रमुख मार्गों और चौराहों पर यातायात संकेतकों की स्थिति का भी विशेष निरीक्षण किया जा रहा है। इसके अलावा फुटपाथों और फ्री लेफ्ट टर्न के आसपास फैले अतिक्र मण, मलबे और कचरे को भी हटाया जाएगा। इससे वाहन चालकों को मोड़ लेने में आसानी होगी और ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी। जिन चौराहों पर दिशा सूचक बोर्ड खराब या धुंधले हो चुके हैं, वहां नए और चमकीले संकेतक लगाए जाएंगे। रात में सड़क सुरक्षा बढ़ाने के लिए डिवाइडरों पर नई रिफ्लेक्टर पट्टियां और रोड मार्किंग भी की जाएगी। ट्रैफिक पुलिस चौराहों के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दे रही है। डिवाइडरों और रेलिंगों की मरम्मत कर उन्हें आकर्षक बनाया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि साफ-सुथरे और व्यवस्थित चौराहे वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने में भी मदद करेंगे।

कहीं तंगी तो कही गंभीर बीमारी रिश्तों को कर रही कमजोर

अस्पतालों में गलत नाम-पते बताकर मरीजों को छोड़ रहे अपने

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। उम्र के अंतिम पड़ाव पर रिश्तों का मोल अब खत्म हो रहा है। राजस्थान के एसएमएस अस्पताल में गलत नाम-पते बताकर हर माह 4-5 मरीजों को नाते-रिश्तेदार छोड़ जाते हैं। भर्ती करवाया और फिर मुड़कर कभी नहीं देखते हैं। यहीं है आज के कलयुगी रिश्ते का सच।

उम्र के आखिरी पड़ाव और बीमारी में जिन अपनों के सहारे की उम्मीद होती है, वही अब बुजुर्गों को अस्पतालों में बेसहारा छोड़ रहे हैं। कोई गलत नाम-पता लिखवाकर भर्ती करवा देता है तो कोई इलाज पूरा होने के बाद भी लेने नहीं आता। कई बुजुर्ग अस्पताल के वार्ड और दरवाजों पर घंटों अपनों का इंतजार करते रहते हैं, लेकिन उनकी राह देखती आंखें आखिरकार मायूसी में बदल जाती हैं।

एसएमएस अस्पताल में ऐसे मामले लगातार सामने आ रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार यहां हर महीने 100 से 200 लावारिस लोग इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें कुछ सड़क हादसों में घायल होकर तो कुछ भीख मांगते समय चोटिल अवस्था में लाए जाते हैं। लेकिन सबसे दर्दनाक वे मामले हैं, जिनमें अपने ही बुजुर्गों को भर्ती करवाकर हमेशा के लिए छोड़ दिया जाता है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार हर महीने चार से पांच ऐसे केस सामने आते हैं।

कई लोग भर्ती के समय गलत नाम, मोबाइल नंबर और पते तक लिखवा देते हैं ताकि बाद में उनकी पहचान न हो सके। इलाज पूरा होने के बाद जब संपर्क किया जाता है तो परिजन पहचानने से ही इनकार कर देते हैं। यही वजह है कि कुल बेसहारा या बेसहारा हुए मरीजों में से लगभग 50 प्रतिशत मरीज ही ठीक होने के बाद घर पहुंच पाते हैं।

इसलिए भी छोड़ जाते अपने

अस्पताल में बेसहारा मिलने वाले ज्यादातर बुजुर्ग वे होते हैं, जो याददाश्त खो चुके हों या जिनके अंग-भंग हो चुके हों। कई के सिर में गहरी चोट होती है तो कुछ कैंसर, किडनी या लिवर जैसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त होते हैं। लंबा इलाज चलने, देखभाल न कर पाने या आर्थिक कमजोरी के कारण परिजन उन्हें छोड़ जाते हैं। इनमें कई मरीज दूसरे राज्यों से भी होते हैं। कई मामलों में मरीजों की मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं होती, जिससे पहचान मुश्किल हो जाती है।

बार-बार यही पूछते हैं, घर वाले कब आएंगे?

इन मरीजों के लिए अस्पताल का स्टाफ ही परिवार बन जाता है। डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारी उनकी देखभाल करते हैं। कुछ नर्सिंग स्टाफ इस काम में बेहद सक्रिय है। ठीक होने के बाद उन्हें वृद्धाश्रम भेजा जाता है। कई लावारिस मरीज इलाज के दौरान ही दम तोड़ देते हैं। उनके शव कई दिनों तक मोर्चरी में रखे रहते हैं। परिजनों का पता न चलने पर प्रोटोकॉल के तहत अंतिम संस्कार कराया जाता है। डॉक्टरों का कहना है कि अपनों की बेरुखी बुजुर्गों को अंदर तक तोड़ रही है। कई बुजुर्ग बार-बार यही पूछते हैं-घर वाले कब आएंगे?

जो भी बेसहारा और असहाय मरीज इलाज के लिए लाए जाते हैं, उनका अस्पताल में निशुल्क इलाज किया जाता है। मरीज के ठीक होने के बाद परिजनों से प्रशासन के माध्यम से संपर्क किया जाता है। यदि परिजन लेने नहीं आते तो मरीज को 'अपना घर' एनजीओ के वृद्धाश्रम में भेज दिया जाता है। इसके लिए राज्य सरकार का एमओयू भी है।

डॉ. प्रदीप शर्मा, नोडल प्रभारी, अपनाघर अनुभाग, एसएमएस

राजमंदिर की 50वीं वर्षगांठः 1 जून को फ्री में देखिए बॉलीवुड फिल्म

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजमंदिर जो सिर्फ एक सिनेमाघर ही नहीं, बल्कि गुलाबी नगर की वह चमक है, जिसने बीते पांच दशकों से लाखों लोगों के सपनों को बड़े पर्दे पर संजोया है। यहां सिर्फ फिल्में ही नहीं चलीं, बल्कि मोहब्बत, रिश्ते, यादें और वक्त भी पर्दे के साथ आगे बढ़ता रहा। राज मंदिर ने देश-दुनिया के लोगों को फिल्मी दुनिया का अहसास कराया है। एक जून को राज मंदिर अपने 50 वर्ष पूरे कर लेगा। इसका उद्घाटन 1 जून 1976 को तत्कालीन मुख्यमंत्री हरिदेव जोशी ने किया था। वर्ष 1976 में यहां पहली फिल्म 'चरस' लगी, जिसमें मुख्य भूमिका में धर्मेन्द्र देओल और हेमा मालिनी रहे।

पहले आओ पहले पाओ के आधार पर निःशुल्क टिकट

राज मंदिर के मैनेजर अशोक तंवर के मुताबिक, राज मंदिर की यह गोल्डन जुबली सिने लवर्स को डेडिकेट होगी। यहां 4 शो में चार फिल्में दिखाई जाएगी, जो निःशुल्क रहेगी। यहां दिखाई जाने वाली फिल्मों में 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'राम तेरी गंगा मैली', 'हम आपके हैं कौन' और 'अमर अकबर एंथोनी' फिल्में शामिल हैं। सिने लवर्स को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर फिल्म दिखाई जाएगी। जिसके फ्री टिकट बुक माय शो और सिनेमा टिकट काउंटर पर मिलेंगे।

स्क्रीन पर लग चुकी 400 से भी अधिक फिल्में : बीते 50 वर्षों से यहां कार्यरत किशोर कुमार काला का कहना है कि जब राज मंदिर बना था, तब यहां 1168 सीटें थी। लेकिन सिने लवर्स को आराम और अच्छी सुविधा देने के लिए बड़ी सीटें लगाई गई। वर्तमान में 862 सीटें है।

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने किया 'सुजस' क्विज के विजेताओं को सम्मानित

युवाओं में ज्ञान और जागरूकता बढ़ा रही है 'सुजस' प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताः शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार की मासिक पत्रिका 'सुजस' में आयोजित होने वाली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं के सम्मान में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा विशेष सम्मान समारोह और संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आयुक्त, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राकेश शर्मा द्वारा विजेताओं को बधाई देते हुए प्रमाण-पत्र व राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित साहित्य सामग्री प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आयुक्त, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राकेश शर्मा ने कहा कि 'सुजस' पत्रिका राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों एवं समसामयिक विषयों की महत्वपूर्ण जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं एवं पाठकों में ज्ञानवर्धन के साथ-साथ जागरूकता भी बढ़ रही है। उन्होंने विजेताओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनके अनुभव जाने तथा उन्हें निरंतर अध्ययन एवं रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

विजेताओं ने साझा किए अनुभव

संवाद के दौरान विभिन्न जिलों से आए विजेताओं ने अपने अनुभव साझा किए। विजेताओं ने बताया कि सुजस ई-बुलेटिन और मैगजीन के माध्यम से उन्हें राजस्थान के इतिहास, कला-संस्कृति और समसामयिक विकास कार्यों की प्रामाणिक जानकारी एक ही जगह मिल जाती है। क्विज प्रतियोगिता ने उनके भीतर न केवल स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना पैदा की है, बल्कि उनके सामान्य ज्ञान को भी मजबूत किया है।

इन्हें मिला सम्मान

***समारोह** में राकेश कुमार लववंशी, झालावाड़, अंकित मालव, कोटा, कमल वर्मा, जयपुर, रामस्वरूप मिर्धा, कुचामन-डीडवाना, सांवरमल सिहाग, चूरू, नीलम सवाई सिंह जग्गुका, जयपुर, शुभम कुमार शर्मा, जयपुर आदि को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) गोरधन लाल शर्मा, अतिरिक्त निदेशक (पत्र पंजीयन) सुश्री नर्बदा इंदौरिया, वित्तीय सलाहकार रोहताश सिंह यादव, व संपादक, सुजस अजय कुमार सहित सुजस टीम के सदस्य उपस्थित रहे।*

फल-फूल रहा क्लिनिक सिस्टम : सरकारी अस्पतालों से मरीज जा रहे क्लिनिकों की ओर...

पहले रजिस्ट्रेशन फीस, फिर टोकन, उसके बाद शुरू होगा इलाज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। जिसने भी कहा है सच ही कहा है, डॉक्टर भगवान का रूप होते हैं। यदि ये भगवान अपना काम पूरी ईमानदारी और निष्ठा से नहीं करें तो सोचकर भी डर लगता है, स्थिति क्या हो सकती है। हाल ही में देशभर में नीट का एग्जाम हुआ। पेपर लीक होने के कारण यह परीक्षा रद्द कर दी गई और अब दुबारा से यह परीक्षा अगले माह आयोजित होगी। यह परीक्षा भी दूसरा भगवान बनने की ही है। इस परीक्षा का पेपर भी लाखों में खरीदना और बिकना बताया गया है। जो लोग लाखों रुपया सिर्फ पेपर खरीदने में खर्च कर सकते हैं। आप स्वयं ही समझ जाइये वे कैसा भगवान बनना चाह रहे है। सरकारी अस्पतालों में कार्यरत डॉक्टर भगवान होने के साथ-साथ सरकारी कर्मचारी भी होते हैं। उन्हें अपने कार्य के लिए सरकार की और उचित निर्धारित मानदेय दिया जाता है। लेकिन अपवाद स्वरूप कुछ भगवान अपनी व्यक्तिगत लालसा (अधिक आर्थिक इच्छा) को पूरा करने के लिए निजी क्लिनिक खोल लेते हैं। कुछ प्राइवेट हॉस्पिटल में जाकर सेवाएं देते हैं। कुछ तो ऐसे भी होते हैं, जो मध्य रात्रि गहरी नींद में भी मोबाइल बजने से किसी केस की सूचना प्राप्त होते ही बिना देरी किए संबंधित क्लिनिक या अस्पताल में पहुंच जाते हैं।

जेके लोन अस्पताल में कार्यरत एक बच्चों के डॉक्टर (सह आचार्य) ने तो विद्याधर नगर के सेंट्रल स्पाइन अग्रसेन टावर में अपनी निजी क्लिनिक खोल रखी है। सुबह जेके लोन हॉस्पिटल में सेवायें। शाम को 5 से 8 बजे तक क्लिनिक पर कार्य। फीस 200 रुपये। चैकअप सिस्टम-टोकन द्वारा। मरीजों के बैठने के लिए इंतजार स्वरूप बाहर फुटपाथ गैलेरी पर कुर्सियां। दवाई-सिर्फ क्लिनिक पर ही मिलेगी। बिकी हुई दवा वापस नहीं होगी। अधिकतर बच्चों में इम्युनिटी कमजोर होने की बात पर इम्यूनिटी बूस्टर इंजेक्शन लगाने की व्यवस्था है यहां पर। एक इंजेक्शन की कीमत 2500 से 2900 रुपये तक। यह इंजेक्शन भी यही मिलेगा यहीं लगेगा। इंजेक्शन कम से कम 8 से 9 लगवाने है। हर माह एक इंजेक्शन।

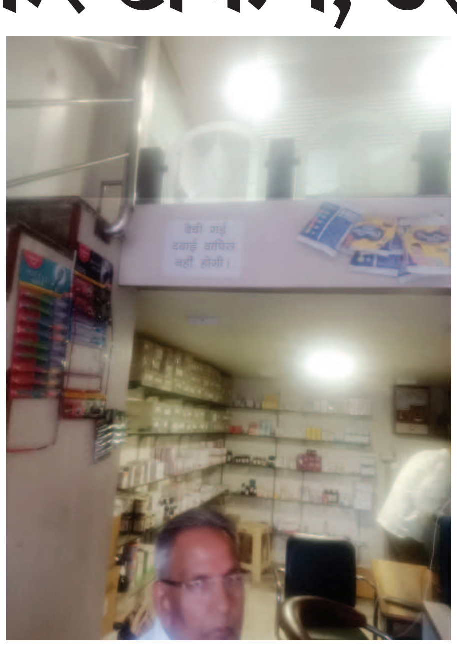

पहले फीस फिर टोकन

उक्त क्लिनिक पर नीचे दवा, रजिस्ट्रेशन काउंटर पर पहले मरीज का नाम बताने के साथ 200 रुपये फिस जमा करवाई जाती है। फिर, नम्बर आने का टोकन देकर बाहर बैठा दिया जाता है। कई समय बाद नम्बर आने पर उसी कमरे में ऊपर बैठे डॉक्टर के दर्शन हो पाते हैं। काश! मरीज को बुलाने की तत्परता सरकारी अस्पताल में भी देखी जानी चाहिए।

इम्यूनिटी बूस्टर इंजेक्शन और दवा

यहां दवा भी इसी क्लिनिक से लेनी होगी। बिकी हुई दवा वापस नहीं होगी। बाकायदा यह सूचना चस्पा भी की हुई है। आखिर सरकारी अस्पताल के किसी चिकित्सक को यह सब करने का समय कैसे मिल जाता है। जागरूक जनता संवाददाता ने जब अपनी बेटी के नाम की पर्ची पर डॉक्टर साहब से ईलाज की बात की तो, हर महिने एक इम्यूनिटी बूस्टर इंजेक्शन, जो 8 से 10 माह तक लगने की बात कही। जिनकी एक की कीमत 2500 से 2900 तक बताई। एक अन्य मरीज से भी बात करने पर पता चला की उनके बच्चे की इम्यूनिटी कमजोर बताई गई है। इंजेक्शन लग रहे है। 9 इंजेक्शन लगेंगे। इस बात से इत्तेफाक नहीं है कि बच्चों के इंजेक्शन नहीं लगाये जाते। बिल्कुल लगाये जाते हैं। लेकिन, ईलाज की शुरूआत ही इम्यूनिटी बूस्टर इंजेक्शन से। कुछ तो अजीब सा लगा।

अन्य चिकित्सक का नाम लेने पर भड़के

संवाददाता ने जब बातों ही बातों में किसी अन्य सरकारी चिकित्सक की बात की तो उक्त चिकित्सक भड़क उठा। कहने लगा आप उन्हीं से चर्चा कीजिए। वो बच्चों के डॉक्टर है क्या।

जैनेरिक दवा को बताया सस्ती दवा

उक्त चिकित्सक की पर्ची पर बाकायदा यह प्रिंट किया हुआ है कि निर्धारित दवाओं में से, यदि मरीज़ किसी सस्ते विकल्प (जेनेरिक दवा) का चयन करता है, तो यह चिकित्सा-कानूनी (Medico-Legal) मामलों के लिए मान्य नहीं होगा। एक ओर सरकार का कहना है कि मरीजों को जेनेरिक दवायें ज्यादा से ज्यादा लिखी जाए। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों पर प्राइवेट अस्पतालों में जाकर ऑपरेशन और रोगी देखने पर पहले भी रोक लगी हुई थी। लेकिन, सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों की यह आदत नहीं छूट पा रही थी। इसलिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य निदेशालय ने आदेश जारी कर सरकारी डॉक्टरों को पाबंद किया था कि वे किसी भी प्राइवेट क्लीनिक, नर्सिंग होम, अस्पताल, पैथोलॉजिकल लेबोरेटी, डायग्नोस्टिक सेन्टर आदि में जाकर न तो किसी मरीज को देखेंगे और न ही कोई टेस्ट करेंगे। वे किसी भी तरह का ऑपरेशन भी नहीं कर पाएंगे।

'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026'

सुरक्षित भविष्य के लिए जल संसाधनों का संरक्षण जरूरी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान-2026' के पहले दिन सोमवार को गंगादशमी के पावन अवसर पर भरतपुर स्थित बंध बरेठा बांध पर विधिवत् एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जल पूजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से जल संरक्षण को जनभागीदारी का अभियान बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि जल ही जीवन का आधार है और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल संसाधनों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने बंध बरेठा बांध की पाल के कार्यों का भी निरीक्षण किया तथा अधिकारियों से परियोजना के विस्तार एवं उन्नयन कार्यों की जानकारी ली।उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल संरक्षण से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए, ताकि अधिकाधिक क्षेत्रों में जल उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने जल प्रबंधन को आधुनिक तकनीक एवं पारंपरिक ज्ञान के समन्वय से मजबूत बनाने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जल संकट के स्थायी समाधान के लिए दीर्घकालिक योजनाओं पर कार्य कर रही है जिससे राजस्थान जल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनेगा। प्रदेश में तालाबों, बांधों, बावड़ियों एवं अन्य जल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए विशेष अभियान संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने आमजन से भी जल बचाने एवं जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की।

प्रमुख शासन सचिव वित्त ने समीक्षा वीसी में दिए निर्देश

योजनाबद्ध तरीके से लक्ष्य पूर्ण करें

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया ने वित्त भवन जयपुर के सभागार से आबकारी विभाग की समीक्षा बैठक विडियों कॉन्फ्रेंस के माध्यम से लेते हुए आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस मौके पर वित्त सचिव राजस्व कुमारपाल गौतम, संयुक्त सचिव आबकारी वरुण मिश्रा, आबकारी आयुक्त नमित मेहता भी उनके साथ में मौजूद रहे।

प्रमुख शासन सचिव वित्त वैभव गालरिया ने वीसी को संबोधित करते हुए कहा कि राजस्व अर्जन के लक्ष्य को प्राथमिक रखते हुए योजनाबद्ध कार्यप्रणाली से विभागीय लक्ष्य को पूर्ण किया जाना चाहिए। उन्होंने वीसी के माध्यम से मदिरा दुकानों बंदोबस्त की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन जिलों में मदिरा दुकानों का बंदोबस्त पूर्ण नहीं हुआ है वे उन दुकानों की रिपोर्ट तैयार कर भिजवाए। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने बताया कि प्रदेश में अब 9 कलस्टर में 36 दुकानों का ही बंदोबस्त शेष है इनमें से भी अधिकांश का सेटलमेन्ट 26 मई को जारी नीलामी प्रक्रिया में पूर्ण हो जाएगा। वीसी में गालरिया ने प्रदेश में जोन व जिलेवार राजस्व लक्ष्य, राजस्व अर्जन की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि जिन जिलों में अपेक्षित प्रगति नहीं है वे निरोधात्मक कार्रवाई में वृद्धि करें साथ ही दुकानवार समीक्षा करते हुए लिफ्टिंग में वृद्धि करेंगे तो आवश्यक लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकेगा।

प्रमुख शासन सचिव वित्त गालरिया ने प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत कोटा, हनुमानगढ़, बाड़मेर, जोधपुर, दौसा एवं उदयपुर में अन्य राज्य अंग्रेजी शराब तस्करी करते हुए ट्रकों में करोड़ों रूपए की अवैध शराब पकड़ने पर संबंधित जिलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि अवैध शराब पर कार्रवाई से प्रदेश में राजस्व क्षति को रोकने में भी सहायता मिलेगी।

बैठक में आबकारी विभाग की राजस्व बाकियात वसूली के लिए अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई करते हुए राजस्व वसूली के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि माईक्रो मॉनिटरिंग करते हुए समस्त अपेक्षित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित की जाएगी। वीसी में विभिन्न जोन के अतिरिक्त आबकारी आयुक्त, जिला आबकारी अधिकारियों से लक्ष्य व प्रगति के संबंध में जानकारी लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए।

स्पीकर देवनानी ने राजस्थान की प्रतिभाओं को पद्मश्री सम्मान मिलने पर दी बधाई

राजस्थान प्रदेश का गौरव बढ़ा- देवनानी

राजस्थान की प्रतिभा, संस्कृति और सेवा भावना का सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित नागरिक अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा राजस्थान की तीन प्रतिभाओं सर्वश्री गफरुद्दीन मेवाती जोगी, तगाराम भील एवं स्वामी ब्रह्मदेव महाराज को पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

देवनानी ने कहा कि राजस्थान की लोक संस्कृति, लोक संगीत और समाज सेवा की समृद्ध परंपरा को राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि भपंग वादन की विलुप्तप्राय लोक परंपरा को जीवंत बनाए रखने वाले गफरुद्दीन मेवाती जोगी तथा अलगोजा वादन के माध्यम से राजस्थान की लोकधुनों को देश-विदेश तक पहुंचाने वाले तगाराम भील ने प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान दी है। वहीं स्वामी ब्रह्मदेव महाराज ने समाज सेवा एवं मानव कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर समाज को प्रेरणा प्रदान की है। स्पीकर देवनानी ने कहा कि ऐसे व्यक्तित्व अपने कार्यों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इन प्रतिभाओं का सम्मान राजस्थान की प्रतिभा, संस्कृति और सेवा भावना का सम्मान है, जिससे नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और परंपराओं से जुड़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने सभी सम्मानित व्यक्तियों के उज्ज्वल एवं प्रेरणादायी भविष्य के लिये शुभकामनायें दी है।

बालोतरा का सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स देश की सामरिक सुरक्षा में निभाएगा अहम भूमिका

अर्थ एलिमेंट्स, हैवी रेयर अर्थ एलिमेंट्स और क्रिटिकल रेयर मेटल्स के भंडार मिले

परमाणु रिएक्टर, इलेक्ट्रिक कार, मिसाइल तकनीक, रोबोटिक्स, माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स आदि में होगा उपयोग

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। पश्चिम राजस्थान का बालोतरा जिला रिफाइनरी जैसी महत्वाकांक्षी परियोजना से देश की ऊर्जा सुरक्षा के साथ सामरिक और आर्थिक सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभाने जा रहा है। यहां सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स में दुर्लभ खनिजों का ऐसा भंडार मिला है, जो भारत को रॉकेट से लेकर न्यूक्लियर प्लांट्स का कच्चा माल उपलब्ध करवाने और देश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में सहायक होगा। केन्द्रीय खान मंत्रालय की टेक्निकल कम कॉस्ट कमिटीज की संयुक्त बैठक में सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स में मौजूद दुर्लभ खनिजों के भंडार को रेखांकित किया है। हाल ही में आयोजित इस बैठक में बताया गया कि कॉम्प्लेक्स के तीन भागों में रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईई), हैवी रेयर अर्थ एलिमेंट्स (एचआरईई) और क्रिटिकल रेयर मेटल्स का विशाल भंडार मिला है। इन ब्लॉक्स के तकनीकी मूल्यांकन के लिए तीन कंपनियों को कार्य भी आवंटित कर दिया गया है। सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स एक ज्वालामुखी कुंड है, जो 750 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। इस कॉम्प्लेक्स के सर्वेक्षण में नियोबियम, जिरकोनियम और हाफनियम जैसे रेयर अर्थ एलिमेंट्स पाए गए हैं। इन एलिमेंट्स का उपयोग एयरोस्पेस इंजन के लिए सुपरअलॉय मेटेरियल के साथ ही चिकित्सा तथा वैज्ञानिक उपकरणों में उपयोग होने वाले सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट में किया जाता है। वहीं, परमाणु रिएक्टर, इलेक्ट्रिक कार, मिसाइल तकनीक, रोबोटिक्स, माइक्रो-इलेक्ट्रॉनिक्स और रासायनिक प्रसंस्करण में इन दुर्लभ खनिज का इस्तेमाल किया जाता है। यह इलेक्ट्रॉनिक्स, बैटरी और अन्य हाई-एंड तकनीकों के प्रयोग में लिए जाते हैं। इस प्रकार, ये रेयर अर्थ एलिमेंट्स देश की सामरिक सुरक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं।

उल्लेखनीय है कि देश में स्वच्छ ऊर्जा एवं उन्नत प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से केन्द्र सरकार ने नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन (एनसीएमएम) की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और तकनीकी स्वतंत्रता को मजबूत करने के लिए रणनीतिक योजना बनाई गई है। इलेक्ट्रिक वाहनों को शक्ति देने वाले लिथियम से लेकर रक्षा प्रणालियों के लिए महत्वपूर्ण दुर्लभ खनिजों की खोज इस मिशन के महत्वपूर्ण अंग हैं। इस मिशन का लक्ष्य हरित अर्थव्यवस्था में भारत को एक वैश्विक प्लेयर के रूप में स्थापित करना है।

दुर्लभ खनिजों की खोज और अनुसंधान को बढ़ावा देने में राजस्थान अग्रसर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स एवं सिवाना ग्रेनाइट में रेयरअर्थ एलिमेंट एवं हेवी रेयरअर्थ एलिमेंट उपलब्ध है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सिवाना रिंग कॉम्प्लेक्स के प्रभावी रि यान्वयन के लिए प्रदेश में नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाए। वहीं, इस संबंध में खान विभाग एवं संबंधित जिला कलक्टर केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक करें, जिससे काम में तेजी आ सके। वहीं, राज्य सरकार रेयर अर्थ एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना भी कर रही है। यह केंद्र दुर्लभ खनिजों के अनुसंधान, नवाचार और रणनीतिक विकास में महती भूमिका निभाएगा। इसी के साथ, राज्य सरकार भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, एटॉमिक, मिनरल्स डॉयरेक्टरेट फॉर एक्सप्लोरेशन एवं रिसर्च आईआईटी हैदराबाद और आईआईटी आईएसएम धनबाद के साथ साझेदारी कर ऐसे खनिजों की खोज और अनुसंधान को नई गति प्रदान कर रही है।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech

ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management

MSGJET Powered by JethiTech.com
SchoolMaster SCHOOL Management System Powered by JethiTech.com

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan

WE ARE Google Partner | AdWords Analytics | Marketing Partner | Accredited Professional Bing ads

DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE

INIDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर सेक्टर पर संवाद

प्रदेश में उद्योग स्थापना के लिए सभी आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध-शर्मा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र में राजस्थान के लिए बड़ा हिस्सेदार बनने की अपार संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश इस क्षेत्र में निरन्तर तेजी से आगे बढ़ रहा है और गत दो वर्षों में 450 फैक्ट्रियों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है। वहीं, इलेक्ट्रॉनिक कम्पोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) के तहत एक साल में 75 फैक्ट्रियां स्वीकृत हो चुकी हैं। साथ ही, इस योजना को लेकर केन्द्रीय कैबिनेट ने बजट को भी बढ़ाया है।

केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ मुख्यमंत्री कार्यालय में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर सेक्टर पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, निवेशकों और विशेषज्ञों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि निवेशक इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी यूनिट की स्थापना का लक्ष्य तय कर आगे बढ़े। इस कार्य में डबल इंजन की सरकार उनका पूरा सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में उद्योगों की स्थापना से बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन भी होगा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है जो स्वयं सेमीकंडक्टर का उत्पादन करते हैं। इसके साथ ही 76 हजार करोड़ रुपये से अधिक के प्रोत्साहन पैकेज के साथ इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन को भी तेज गति से आगे बढ़ाया जा रहा है।

भिवाड़ी में खुला प्रदेश का पहला सेमीकंडक्टर क्लस्टर

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिम से स्पेस तक और मोबाइल से मिसाइल तक, हर क्षेत्र में सेमीकंडक्टर चिप की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भविष्य उन्हीं देशों और राज्यों का होगा जो इस क्षेत्र में मजबूत क्षमता विकसित करेंगे। प्रदेश में भी इसी माह पहले सेमीकंडक्टर क्लस्टर का भिवाड़ी में शुभारंभ हुआ है। 50 एकड़ में तैयार इस विशाल परिसर में हर साल करीब 6 करोड़ चिप का उत्पादन होगा।

राज्यपाल बागडे ने पद्मश्री 2026 से सम्मानित होने वाली राजस्थान की विभूतियों को बधाई दी

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित सम्मान समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा राजस्थान की तीन हस्तियों को देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से सम्मानित किये जाने पर शुभकामनायें दी है। राज्यपाल बागडे ने सामाजिक सेवा एवं लोक कल्याण क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए स्वामी ब्रह्मदेव जी महाराज, कला क्षेत्र में लोक वाद्य भपंग को वैश्विक पहचान दिलाने वाले गफरूद्दीन मेवाती जोगी और सुप्रसिद्ध अलगोजा वादक तगा राम भील को राष्ट्रपति द्वारा पद्मश्री दिये जाने पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि राजस्थान इससे गौरवान्वित हुआ है।

मुख्यमंत्री ने की गंगा माता मंदिर में पूजा अर्चना

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गंगा दशमी के पावन अवसर पर भरतपुर के गंगा मंदिर में पूजा अर्चना और सुजान गंगा में दीपदान कर देश प्रदेश की खुशहाली और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 14 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, विधायक शैलेश सिंह, बहादुर सिंह कोली, ऋतु बनावत, नौक्षम चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी

सम्पादकीय

नॉर्डिक देशों के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी

हाल ही में ओस्लो में संपन्न भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन यूरोप के नॉर्डिक क्षेत्र के साथ भारत के रिश्तों को व्यापक बनाने के मामले में अहम रहा है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शिरकत की। नॉर्डिक में उत्तरी यूरोप के डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन जैसे देश शामिल हैं और अब भारत इनके साथ पारंपरिक कूटनीतिक रिश्तों के बजाय कहीं अधिक गहन रणनीतिक साझेदारी की दिशा में बढ़ रहा है। इसमें पर्यावरण के अनुकूल तकनीक, नवाचार, रक्षा विनिर्माण और दीर्घकालिक पूंजी प्रवाह आदि शामिल हैं। शिखर सम्मेलन में कई अहम परिणाम सामने आए। इनमें हरित तकनीक और नवाचार रणनीतिक साझेदारी, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए सहयोग में इजाफा, आर्कटिक और पोलर शोध, समुद्री अर्थव्यवस्था तथा विद्या?र्थियों और शोधकर्ताओं की आवाजाही शामिल है। नॉर्डिक देशों ने अगले 15 वर्षों में भारत में 100 अरब डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। बदले में भारत ने इन देशों की रक्षा कंपनियों को रक्षा उद्योग गलियारे में 100 फीसदी विदेशी निवेश पहुंच प्रदान करने का वादा किया है।

यह भारत की विदेश नीति में व्यापक बदलाव को दर्शाता है जो भूआर्थिक और प्रौद्योगिकी-आधारित साझेदारियों की ओर अग्रसर है। इस संदर्भ में नॉर्डिक देश वे क्षमताएं प्रदान करते हैं जिनकी भारत को तत्काल आवश्यकता है। भारत और नॉर्डिक क्षेत्र के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगभग 19 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है जबकि 700 से अधिक नॉर्डिक कंपनियां पहले से ही भारत में काम कर रही हैं। ऑफशोर विंड, कार्बन कैप्चर और स्टोरेज तथा सॉवरिन वेल्थ कैपिटल में नॉर्वे की ताकत भारत की कार्बन घटाने की महत्त्वाकांक्षाओं को पूरा करती हैं। डेनमार्क की नवीकरणीय ऊर्जा, बंदरगाह लॉजिस्टिक्स और साइबर सुरक्षा में विशेषज्ञता, स्वीडन का उन्नत विनिर्माण और रक्षा तकनीकें, तथा फिनलैंड की दूरसंचार और डिजिटल अधोसंरचना क्षमताएं भारत की औद्योगिक और तकनीकी प्राथमिकताओं से काफी मेल खाती हैं। यह शिखर सम्मेलन भारत के इस प्रयास को भी रेखांकित करता है कि वह बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच अपनी रणनीतिक साझेदारियों को विविध बनाना चाहता है। आपूर्ति श्रृंखलाएं अब भी चीन और पूर्वी एशिया में अत्यधिक केंद्रित हैं। इसलिए, भारत की यह पहल इस क्षेत्र की उन्नत और नवाचार-संचालित अर्थव्यवस्थाओं के साथ भरोसेमंद तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र और सुदृढ़ आर्थिक नेटवर्क के निर्माण पर केंद्रित है। इस साझेदारी का स्वच्छ ऊर्जा संबंधी पहलू सबसे अहम है। भारत के उद्योगों को पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए बहुत बड़े पैमाने पर प्रौद्योगिकी, अधोसंरचना, वित्तपोषण और विशेषज्ञता की जरूरत होगी। नॉर्डिक देश ऑफशोर विंड, हरित हाइड्रोजन, टिकाऊ नौवहन, चक्रीय अर्थव्यवस्था मॉडल और जलवायु प्रतिरोधी अधोसंरचना में दुनिया में अग्रणी हैं। नॉर्वे का 2.1 लाख करोड़ डॉलर का सॉवरिन वेल्थ फंड, जो दुनिया का सबसे बड़ा है, पहले से ही कई भारतीय कंपनियों में 34 अरब डॉलर से अधिक का निवेश रखता है और भारत की अधोसंरचना तथा ऊर्जा बदलाव परियोजनाओं के वित्तपोषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस प्रकार, भारत की नॉर्डिक क्षेत्र के साथ सहभागिता तेजी से आर्कटिक भू-राजनीति, जलवायु विज्ञान और समुद्री रणनीति से जुड़ रही है।

कहीं हम श्रीकृष्ण को छोड़कर नारायणी सेना तो नहीं चुन रहे?

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

डॉ. अभिलाष मोदी
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

हम हर दिन, हर पल कोई न कोई फैसला लेते हैं। सवाल यह नहीं है कि हम सही करना चाहते हैं या गलत। असली सवाल यह है कि हम फैसले किसके असर में ले रहे हैं। क्या हम सिर्फ इसलिए कुछ कर रहे हैं क्योंकि सब कर रहे हैं, या इसलिए क्योंकि हमें लगता है कि यही सही है?

जब हम यह सवाल सुनते हैं कि कहीं हम श्रीकृष्ण को छोड़कर नारायणी सेना तो नहीं चुन रहे, तो ज़्यादातर लोगों का जवाब तुरंत होता है, नहीं, ऐसा तो बिल्कुल नहीं है। हमें लगता है कि हम गलत लोगों के साथ नहीं हैं, बुरे काम नहीं कर रहे हैं और न ही किसी का नुकसान कर रहे हैं। बहुत से लोग तो रोज़ श्रीकृष्ण का नाम भी लेते हैं और मानते हैं कि वे सही रास्ते पर ही हैं। लेकिन अगर सच में हम सब सही के साथ हैं, तो फिर आज हर तरफ़ यह बेचैनी क्यों दिख रही है? पैसे पहले से ज़्यादा हैं, फिर भी लोगों को क्यों लगता है कि कुछ न कुछ कमी है। क्यों रिश्ते तेजी से टूट रहे हैं? ज़्यादातर लोग कहते हैं कि वे किसी का बुरा नहीं चाहते, फिर भी हर बातचीत में यही सुनाई देता है कि दुनिया खराब हो गई है या ज़माना बहुत खराब है। बच्चे पहले से ज़्यादा पढ़-लिख रहे हैं, तो क्यों उनसे शाब्दिक, वैचारिक और व्यावहारिक गलतियाँ ज़्यादा हो रही हैं? यही बात हमें रुककर सोचने पर मजबूर करती है।

आइए, इस बात को ठीक से समझने के लिए एक छोटा सा उदाहरण लेते हैं। एक घर में एक दादी टीवी पर महाभारत देख रही थीं। एक दृश्य चल रहा था जहाँ, दुर्योधन के सामने दो विकल्प रखे गए थे। एक तरफ़ श्रीकृष्ण अकेले खड़े थे, बिना हथियार के, और दूसरी तरफ़ नारायणी सेना थी, जिसमें हज़ारों सैनिक थे। दुर्योधन ने सेना को चुन लिया। यह देखकर दादी बोलीं, "देखो कितना बड़ा मूर्ख है, भगवान और सही रास्ते को छोड़कर भीड़ के पीछे भाग रहा है। वह यह नहीं समझता कि अगर श्रीकृष्ण साथ हों, तो किसी सेना की ज़रूरत ही नहीं पड़ती।" दादी यही बात अपने घर के बच्चों को भी समझाती रहीं कि ज़िंदगी में कभी दुर्योधन जैसा फैसला मत लेना।

कुछ दिनों बाद उसी घर में शादी का समारोह था। दादी का घर आर्थिक रूप से बहुत सामान्य था। हर व्यक्ति कोशिश कर रहा था कि शादी के हर समारोह को जितना हो सके, भव्य बनाया जाए। कुछ लोग यह भी कह रहे थे कि इतना खर्चा क्यों करें, जो सच में ज़रूरी है वही किया जाए। तभी दादी बोलीं, "भले लोन लेना पड़े, पर शादी तो ज़ोरदार ही होगी, ताकि सबको याद रहे कि कैसी शादी थी।" तभी घर का एक छोटा बच्चा बोला, "दादी, आपने तो कहा था कि हमें वही करना चाहिए जो सही हो। शादी समारोह तो इसलिए होता है ना क्योंकि दो लोग अब साथ ज़िंदगी जीने वाले हैं, तो उनकी खुशी में हम सब शामिल होते हैं। इसमें शानदार बनाने और लोगों को याद रखने की क्या ज़रूरत है? इससे उन दोनों की खुशी का क्या लेना-देना?" यह सुनकर दादी गुस्सा हो गईं और बोलीं, "ज़्यादा समझदार मत बनो, सबको दिखाना पड़ता है, यह दुनिया ऐसे ही चलती है।"

बेहोशी और नासमझी से देखने पर लगता है कि दादी एकदम ठीक कर रही हैं। पर समझ की निगाहों से देखने पर पता लगता हैं की जिस गलती को दादी टीवी पर दुर्योधन में देख रही थीं, वही गलती वह खुद भी कर रही थीं। फर्क बस इतना था कि दुर्योधन ने भीड़ को युद्ध के मैदान के लिए चुना था और दादी भीड़ को शादी समारोह के लिए चुन रही थीं। दादी भी शायद मन के किसी कोने में जानती थीं कि बच्चे की बात पूरी तरह गलत नहीं है, लेकिन उन्हें डर था कि सही (श्रीकृष्ण) का साथ देने पर वे भीड़ (नारायणी सेना) की नज़रों में न गिर जाएँ।

असल में श्रीकृष्ण और नारायणी सेना सिर्फ़ किरदार नहीं हैं। ये हमारे रोज़मर्रा के जीवन की मिसाल हैं। श्रीकृष्ण का मतलब है हमारी अपनी समझ, वह आवाज़ जो शांति से बताती है कि क्या सही है। नारायणी सेना का मतलब है भीड़ का दबाव, दूसरों की देखा-देखी और यह सोच कि जो सब कर रहे हैं, वही सही होगा। दिक्क त तब शुरू होती है, जब हम अपनी अंदर की आवाज़ सुनने के बजाय यह देखने लगते हैं कि लोग क्या कहेंगे और समाज क्या मानेगा।

हम हर दिन, हर पल कोई न कोई फैसला लेते हैं। सवाल यह नहीं है कि हम सही करना चाहते हैं या गलत। असली सवाल यह है कि हम फैसले किसके असर में ले रहे हैं। क्या हम सिर्फ इसलिए कुछ कर रहे हैं क्योंकि सब कर रहे हैं, या इसलिए क्योंकि हमें लगता है कि यही सही है? ये छोटे-छोटे फैसले ही धीरे-धीरे हमारी पूरी ज़िंदगी की दिशा तय करते हैं।

अंत में, एक बार फिर खुद से पूछने की ज़रूरत है, जब हम कोई फैसला लेते हैं, तो क्या वह शांति और समझ से आ रहा है या डर और भीड़ के दबाव से? कई बार सही रास्ता शांत होता है, कम लोग उस पर चलते हैं, लेकिन वही रास्ता हमें सही जगह तक पहुँचाता है। अब हमें खुद यह तय करना है कि हम अपनी ज़िंदगी में किसे चुनेंगे, श्रीकृष्ण को या नारायणी सेना को।

रोम से ओस्लो तकः भारत की रणनीतिक शक्ति का विस्तार

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

आकांक्षा शर्मा
रिसर्च स्कॉलर
@jagrukjanta.net

विश्व राजनीति के बदलते परिदृश्य में आज भारत केवल एक क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है।

अ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हाल ही में पांच देशों ङ्क यूएई, नीदरलैंड्स, स्वीडन, नॉर्वे और इटली - की यात्रा इसी उभरते भारत की रणनीतिक और कूटनीतिक शक्ति का प्रतीक है। यह यात्रा केवल औपचारिक मुलाकातों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने यह स्पष्ट संकेत दिया कि आने वाले समय में भारत विश्व राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी सहयोग और वैश्विक आर्थिक संरचना में निर्णायक भूमिका निभाने जा रहा है।

आज विश्व जिस अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है-रूस- यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, चीन की आर्थिक आक्रामकता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं का संकट - उसके बीच यूरोप और अन्य शक्तियाँ ऐसे विश्वसनीय साझेदार की तलाश में हैं जो लोकतांत्रिक मूल्यों, स्थिरता और संतुलित कूटनीति का प्रतिनिधित्व कर सके। भारत इस आवश्यकता को समझते हुए स्वयं को एक "विश्वसनीय शक्ति" के रूप में स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा उसी रणनीतिक दृष्टि का विस्तार थी।

विशेष रूप से इटली यात्रा ने भारत-यूरोप संबंधों को नई ऊँचाई प्रदान की। प्रधानमंत्री मोदी और इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी के बीच हुई वार्ताओं में व्यापार, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा, अंतरिक्ष, समुद्री सहयोग और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों पर व्यापक चर्चा हुई। दोनों देशों ने अपने संबंधों को "स्पेशल स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप" तक उन्नत करने का निर्णय लिया, जो इस बात का संकेत है कि भारत अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि रणनीतिक सहयोगी के रूप में भी देखा जा रहा है।

रक्षा क्षेत्र में हुए समझौते विशेष महत्व रखते हैं। रक्षा औद्योगिक रोडमैप, सह-उत्पादन, नई तकनीकों के विकास तथा समुद्री सुरक्षा सहयोग जैसे कदम भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति को मजबूती देंगे। IMEC (भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा) पर दोनों देशों की सहमति यह दर्शाती है कि भारत भविष्य के वैश्विक व्यापार और कनेक्टिविटी नेटवर्क का केंद्रीय भाग बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। यह केवल व्यापारिक परियोजना नहीं, बल्कि चीन की बेल्ट एंड रोड नीति के विकल्प के रूप में भी देखा जा रहा है।

इसी क्रम में ओस्लो में आयोजित तीसरा भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन भारत की विदेश नीति के एक नए और शांत लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण आयाम को सामने लाता है। यह शिखर सम्मेलन इसलिए महत्वपूर्ण नहीं है कि उसने कोई नाटकीय भू-राजनीतिक घोषणा की, बल्कि इसलिए कि यह भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक सोच को दर्शाता है। आज भारत अपनी विदेश नीति को केवल पारंपरिक शक्ति संतुलन तक सीमित नहीं रख रहा, बल्कि तकनीकी क्षमता, आर्थिक लचीलापन और वैश्विक साझेदारियों के माध्यम से भविष्य की तैयारी कर रहा है।

डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड, नॉर्वे और स्वीडन जैसे नॉर्डिक देश भारत के लिए इसलिए महत्वपूर्ण बनते जा रहे हैं क्योंकि वे तकनीकी नवाचार, हरित ऊर्जा, डिजिटल परिवर्तन, समुद्री अनुसंधान और सतत विकास के वैश्विक केंद्र माने जाते हैं। भारत के "विकसित भारत" और हरित अर्थव्यवस्था के लक्ष्य इन देशों की विशेषज्ञता से सीधे जुड़ते हैं। चाहे वह हाइड्रोजन ऊर्जा हो, स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन या जलवायु अनुकूलन-नॉर्डिक देशों के पास वह अनुभव और तकनीक है जिसकी भारत को आवश्यकता है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत अब नॉर्डिक देशों को अलग-अलग द्विपक्षीय संबंधों के रूप में नहीं, बल्कि यूरोप के भीतर एक रणनीतिक उप-क्षेत्र के रूप में देख रहा है। स्टॉकहोम (2018) और कोपेनहेगन (2022) के बाद ओस्लो शिखर सम्मेलन ने इस संबंध को और अधिक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है। प्रधानमंत्री मोदी की नॉर्वे यात्रा स्वयं ऐतिहासिक महत्व रखती है, क्योंकि 1983 में Indira Gandhi की यात्रा के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली नॉर्वे यात्रा थी।

भारत-नॉर्डिक संबंधों का सबसे बड़ा पक्ष यह है कि इनके बीच किसी प्रकार का ऐतिहासिक अविश्वास या भू-राजनीतिक टकराव नहीं है। लोकतंत्र, बहुपक्षवाद और नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के प्रति साझा प्रतिबद्धता दोनों पक्षों को स्वाभाविक साझेदार बनाती है। यही कारण है कि सहयोग अब जलवायु परिवर्तन से आगे बढ़कर आर्कटिक नीति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा विनिर्माण, डिजिटल अवसंरचना, आपूर्ति श्रृंखला और अंतरिक्ष तकनीक तक पहुँच चुका है। आर्कटिक क्षेत्र में बढ़ती वैश्विक प्रतिस्पर्धा - विशेष रूप से ऊर्जा संसाधनों, समुद्री मार्गों और महत्वपूर्ण खनिजों को लेकर - भारत के लिए नई रणनीतिक संभावनाएँ खोलती है। नॉर्डिक देशों के साथ सहयोग भारत को न केवल तकनीकी विशेषज्ञता देगा, बल्कि भविष्य की वैश्विक आर्कटिक व्यवस्था में भूमिका निभाने का अवसर भी प्रदान करेगा।

शौर्य और सेवा की वंदनीय विभूति रामदूत श्री हनुमान

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

गोपाल प्रभाकर
पत्रकार
@jagrukjanta.net

जब हमारे साथ श्रीहनुमान जैसे इष्टदेव हों तो हमें किसी अन्य महानायक को तलाश करने की जरूरत ही नहीं है। जीवन प्रबंधन के श्रेष्ठ गुण सिखलाने वाले हनुमान एक ऐसी शख्सियत है, जिसके दिमाग में लक्ष्य की लगन है, हृदय में श्रीराम है, देह में स्फूर्ति है, शक्ति है और पैरों में गति है। वो राम के प्रिय हैं। रामदूत हैं और विश्व के अनगिनत भक्तों के मार्गदर्शक भी।

उनकी गति के बारे में
सुन्दरकांड में उल्लेख आया है:
जिमी रघुवीर अमोघ कर बाना,
ऐहि भांति चले हनुमाना

अतुल्य बलशाली : हनुमानजी को अतुलित बलधाम की संज्ञा दी गई है. मुसीबतों से सामना करने का साहस और समस्याओं का समाधान करने की कला उनके पास है. वो ऊर्जा के अकूत भंडार हैं. स्मरण मात्र से अपने प्रिय भक्तों में शक्ति का संचार कर देते हैं. राम काज करने को सदैव आतुर रहते हैं. उनके तेजस्वी स्वरूप के बारे में गोस्वामी तुलसीदास ने जिक्र किया है:

आपन तेज सम्भारो आपे,
तीनों लोक हांक ते कांपे.

कंचनवर्णी देह : हेमशैलाभ देहम के रूप में उनका व्यक्तित्व उजागर हुआ है. वो स्वास्थ्य, बुद्धिमत्ता और विवेक प्रदान करने वाले देवता हैं. वो अपने शरणागत भक्तों को सारे सुख प्रदान करते हैं.

जागरूक जनता विश्वसनीय हिन्दी अखबार
आखरआखर झरे उजियार

सब सुख लहे तुम्हारी शरना,
तुम रक्षक काहे को डरना.

दनुज विनाशकारी : हनुमानजी मंगलमूर्ति है .लोक मंगल के कार्यों में विघ्न पैदा करने वाले राक्षसों का संहार करते हैं. नकारात्मक शक्तियों का शमन कर सकारात्मक वातावरण का सृजन करते हैं. राम भक्ति में विश्वास करने वाले वो ऐसे देव हैं जो उपासकों का विवेक जगाए रखते हैं। ज्ञानवान और सकल गुणनिधान श्रीहनुमान अपने अनुयायियों में आत्मविश्वास जगा कर और बेहतर करने की प्रेरणा देते हैं. उनके अनुग्रह और मार्गदर्शन से जगत के सभी दुर्गम काम सुगम हो जाते हैं। वो विपुल गुणों के खजाने हैं. उच्चतम मानवीय मूल्यों के प्रति आस्था जगाने वाले तथा दुर्भावना दोष आदि से रक्षा करने वाले देवता हैं। अहंकार का विसर्जन कर राम के प्रति भक्तिमय जीवन की प्रेरणा वो इस तरह प्रदान करते हैं...

प्रभु मुद्रिका मेली मुख माहि,
जलधि लांघ गए अचरज नाहि.

ओपिनियन

नौतपा : प्रकृति का तालमेल और लोकजीवन की परीक्षा

» जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नविता
पत्रकार
@jagrukjanta.net

भारतीय पंचांग केवल तिथियों का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि ऋतुओं, प्रकृति और मानव जीवन के अंतर्संबंध का विज्ञान है। इसी पंचांग का एक विशेष योग है ङ्क 'नौतपा'। ज्येष्ठ मास में जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है, तब आरंभ होते हैं ये नौ दिन, जिन्हें लोकभाषा में 'नौतपा' कहा जाता है। मान्यता है कि इन नौ दिनों सूर्यदेव अपने सबसे रौद्र रूप में होते हैं। वैसे तो राजस्थान की एक पुरानी कहावत जो की पूर्णतः वैज्ञानिक दृष्टिकोण से प्रमाणित हैं जो इस प्रकार हैं, "दो मूसा, दो कातरा, दो तीड़ी, दो ताव,दो की बादी जळ हरै, दो विषधर दो वाय।" इस कहावत का गणित नौतपा के 9 दिनों से जुड़ा है, जो मौसम के आधार पर फसल और कीट-पतंगों का आकलन करता है:-

- **दो मूसा (चूहे):** नौतपा के पहले दो दिन अगर गर्मी न पड़े या हवा न चले, तो आने वाले समय में चूहों का प्रकोप बढ़ता है।
- **दो कातरा (कातरा-कीट)-** अगले दो दिनों में बदलाव न होने पर फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों (कातरा) की पैदावार बढ़ती है।
- **दो तीड़ी (टिड्डी):** इसके बाद के दो दिनों में अगर मौसम ठंडा या सामान्य रहता है, तो टिड्डी दल के हमले की आशंका रहती है।
- **दो ताव (धूप/लू):** नौतपा में कम से कम दो दिन तेज़ लू या कड़ाके की धूप (ताव) नहीं चलती है, तो बारिश में कमी आती है याने जल का हरण हो जाता हैं।
- **विषधर और वायः** अंत के दिनों में अगर गर्मी और हवा का संतुलन नहीं बनता है, तो ज़हरीले जीव-जंतुओं (जैसे सांप, बिच्छू आदि) के पैदा होने का खतरा बढ़ जाता है।

खगोलीय और पौराणिक आधार

भारतीय ज्योतिष के अनुसार जब सूर्य वृष राशि में 10 अंश से 23 अंश 20 कला तक, अर्थात् रोहिणी नक्षत्र में भ्रमण करता है, तब नौतपा लगता है। यह अवधि सामान्यतः 25 मई से 2 जून के आसपास पड़ती है। पौराणिक संदर्भ में कहा जाता है कि इन नौ दिनों में सूर्य की किरणें सीधी पृथ्वी पर पड़ती हैं, जिससे धरती तपती है। 'तपा' शब्द का अर्थ ही है - तपना, तपस्या करना। प्रकृति स्वयं इन दिनों तपस्या करती है।

नौतपा का वैज्ञानिक महत्व

- **मानसून का पूर्वानुमान :** किसान और मौसम विज्ञानी मानते हैं कि नौतपा जितना अधिक तपेगा, वर्षा उतनी ही अच्छी होगी। तेज गर्मी से समुद्र का जल तेजी से वाष्पित होता है, जो बाद में मानसूनी बादल बनाता है। इसीलिए कहा जाता है - "तपे नौतपा, तो बरसे मूसलाधार"।
- **संक्रमण कालः** यह ग्रीष्म और वर्षा ऋतु के बीच का संक्रमण बिंदु है। धरती अधिकतम तापमान पर पहुंचकर वर्षा के लिए तैयार होती है।
- **स्वास्थ्य की दृष्टि :** आयुर्वेद में माना गया है कि इस समय शरीर का अग्नि तत्व बढ़ जाता है। अतः सुपाच्य भोजन, जल और विश्राम आवश्यक है।

लोकजीवन और नौतपा

राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में नौतपा का विशेष महत्व है।

- **किसानों की आशाः** किसान इस अवधि में आकाश को ताकते हैं। आंधी चले, लू चले, पर यदि बादल न घिरें तो समझा जाता है कि मानसून अच्छा आएगा।
- **जीवनशैली में परिवर्तनः** दोपहर में घर से निकलना बंद, मटके का पानी, सत्तू, आम का पना, बेल का शरबत - ये सब नौतपा की देन रही होंगी।नौ तपे के समय बड़े बुजुर्ग बच्चों को धूप में या दोपहर में बाहर खेलने से रोकते हैं। वर्तमान में तो मौसम विभाग की तरफ से भी सभी के लिए हिदायत हैं की दोपहर के समय बाहर ना निकलने से बचे तेज़ धूप में रहना टाले।
- **पशु-पक्षियों की परीक्षाः** केवल मनुष्य ही नहीं, पशु-पक्षी भी इन दिनों सबसे अधिक व्याकुल होते हैं। परिंदों के लिए छत पर पानी रखना, गायों को छाया देना- ये लोक-संस्कार नौतपा से ही उपजे होंगे। ये हमारा नैतिक कर्तव्य हैं की पूरी गर्मी नहीं तो कम से कम नौ तपे के समय पक्षियों के लिए परिंदे और दानो का इंतजाम करे। पेड़ पौधों में पानी दे। पालतू जानवरों के लिए जल का कुंडे रखवाये, प्याऊ लगवाये। यह कोई नई बात नहीं हैं, हमारे पूर्वजों ने यह परंपरा चलाई हैं जिसको आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हम सभी को निभानी हैं।

क्या करें, क्या न करें नौतपा में

- **करेंः** अधिक से अधिक जल पिएं, हल्के सूती वस्त्र पहनें, दिन में 12 से 4 बजे तक घर में रहें, ताजे फल और तरल पदार्थ लें।
- **न करें :** बासी भोजन, तली-भुनी चीजें, शराब और अत्यधिक श्रम से बचें। दोपहर में यात्रा टालें।

नौ तपा, तपस्या का संदेश

- नौतपा हमें सिखाता है कि सृजन से पहले तपना पड़ता है। जिस प्रकार धरती इन नौ दिनों तपकर ही शस्य श्यामला बनती है, उसी प्रकार जीवन में भी किसी बड़ी उपलब्धि से पहले संघर्ष की आग से गुजरना होता है।
- आज जब हम एसी-कूलर के युग में प्रकृति से कट रहे हैं, तब नौतपा हमें फिर से सूर्य, धरती और ऋतुओं से जोड़ता है। यह केवल गर्मी का दौर नहीं, बल्कि संयम, सहनशीलता और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का पर्व है।
- आइए, इस नौतपा में हम प्रकृति की इस तपस्या का सम्मान करें, जल बचाएं, जीवों पर दया करें और प्रतीक्षा करें उस पहली बारिश की, जो तप्त धरती की प्यास बुझाएगी। क्योंकि तपेगा नौतपा, तभी तो आएगा सावन।

पंचांग

ज्योतिर्विद् अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 27/05/2026

सूर्योदय : 05:38 **सूर्यास्त** : 19:09 **चन्द्रोदय** : 15:50 **चन्द्रास्त** : 02:42**शक सम्वत** : 1948 पराभव **विक्रम संवत** : 2083 सिद्धार्थी **अमान्ता महीना** : ज्येष्ठ **पूर्णिमांत** : ज्येष्ठ **सूर्य राशि** : वृषभ **चन्द्र राशि** : कन्या **पक्ष** : शुक्ल **तिथि** : एकादशी, 06:22 तक **वार** : बुधवार **द्रिक-वैदिक ऋतु** : ग्रीष्म **द्रिक-वैदिक अयन** : उत्तरायण **कलियुग** : 5127 वर्ष

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : हस्त, 05:51 तक
योग : व्यतिपाता, 27:19 तक
प्रथम करण : विष्टि, 06:22 तक
द्वितीय करण : बावा, 19:09 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	04:03 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	04:24 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:36 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	07:10 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	07:12 पी एम से
अमृत काल	01:09 ए एम, मई 28 से
निशिता मुहूर्त	11:58 पी एम से
सर्वार्थ सिद्धि योग	05:25 ए एम से
रवि योग	05:25 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : शनि
कुंभ चक्र: पश्चिम

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया

लाभ	: 05:37 - 07:18
अमृत	: 07:18 - 09:00
काल काल वेला	: 09:00 - 10:41
शुभ	: 10:41 - 12:23
रोग वार वेला	: 12:23 - 14:04
उद्वेग	: 14:04 - 15:46
चर	: 15:46 - 17:27
लाभ	: 17:27 - 19:08

रात का चौघड़िया

उद्वेग	19:08 - 20:27
शुभ	20:27 - 21:46
अमृत	21:46 - 23:04
चर	23:04 - 00:23
रोग	00:23 - 01:41
काल	01:41 - 03:00
लाभ	03:00 - 04:18
उद्वेग	04:18 - 05:37

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज एकादशी

आज कौन सा कार्य करें

व्रत, उपवास, धार्मिक कृत्य, देवोत्सव, उद्यापन तथा कथा एकादशी में शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।

ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।

यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

जेष्ठ, शुक्ल, एकादशी, 2083 बुधवार, 27 मई - 2 जून, 2026

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। राजकीय बाधा संभव है। नए काम मिल सकते हैं। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। अपेक्षित कार्य समय पर पूरे होने से प्रसन्नता रहेगी।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
किसी अपने ही वाले व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नकारात्मकता रहेगी। यात्रा में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। व्ययवृद्धि होगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धन प्राप्ति होगा। कुंआरों को वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है। व्यय होगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नए स्रोत से आय प्राप्त होगी। पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। प्रतिद्वंद्विता कम होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत मिलेंगे। कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें। आय में कमी हो सकती है। धनहानि की आशंका बनती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। दूसरों की अपेक्षा बढ़ेगी।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। संगीत इत्यादि में रुचि रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य कमजोर हो सकता है।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
रुके कार्यों में गति आएगी। किसी तीर्थयात्रा की योजना बनेगी। प्रभावशाली व्यक्तियों से मेलजोल बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य नरम हो सकता है।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। वाणी में हल्के शब्दों का प्रयोग न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है। मेहनत अधिक होगी। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षा बढ़ेगी। कोई नकारात्मक सूचना मिल सकती है।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
नए काम मिलने की संभावना है। आय के स्रोत बढ़ेंगे। घर-बाहर सभी तरफ से सहयोग प्राप्त होंगे। रुके कार्य पूर्ण होंगे। भाग्य की अनुकूलता है। भरपूर प्रयास करें। मित्रों का सहयोग लाभ में वृद्धि करेगा।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। उत्साह व प्रसन्नता में वृद्धि होगी। काम में मन लगेगा। पुराने मित्र व रिश्तेदारों से मेल बढ़ेगा। संपर्क बनाएं। आय में वृद्धि होगी। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। व्यावसायिक कार्य के लिए लंबी यात्रा की योजना बनेगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
सामाजिक कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे। मान-सम्मान मिलेगा। थोड़े प्रयास से अधिक लाभ होगा। बड़े कार्य के होने की संभावना है।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

31 जुलाई से पहले पंचायत चुनाव की तैयारी, गांवों में हलचल शुरू

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/ बस्सी। जयपुर ग्रामीण में पंचायत और निकाय चुनावों को लेकर एक बार फिर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई है। राजस्थान हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बाद अब 31 जुलाई 2026 से पहले चुनाव कराने की प्रक्रिया को लेकर प्रशासनिक और गतिविधियां बढ़ गई है। राजनीतिक अदालत ने साफ कहा है कि राज्य सरकार ओबीसी आयोग की रिपोर्ट का हवाला देकर चुनाव नहीं टाल सकती। इसके बाद जयपुर जिले की 22 पंचायत समितियों और 596 ग्राम पंचायतों में संभावित प्रत्याशी सक्रिय हो गए है।

हाईकोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग को शहरी निकायों के वार्ड परिसीमन और मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य 20 जून तक पूरा करने के निर्देश दिए है। तय समय सीमा में अब एक महीने से भी कम समय बचा है। पहले अदालत ने 15 अप्रैल तक चुनाव कराने की बात कही थी, लेकिन राजस्थान सरकार ने ओबीसी आयोग की रिपोर्ट लंबित होने का हवाला देते हुए असमर्थता जताई थी। अब कोर्ट के सख्त रुख के बाद प्रशासनिक मशीनरी तेजी से सक्रिय हो गई है।

जगा चुनावी माहौल

कोर्ट के आदेश के बाद ग्रामीण राजनीति में फिर हलचल बढ़ गई है। पंच, सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य बनने की तैयारी कर रहे लोग गांव-ढाणियों में बैठकों और जनसंपर्क में जुट गए हैं। लंबे समय से चुनाव टलने के कारण स्थानीय स्तर पर राजनीतिक गतिविधियां धीम पड़ गई थीं, लेकिन अब सामाजिक कार्यक्रमों और व्यक्तिगत संपर्क के जरिए माहौल फिर गर्माने लगा है।

स्थानीय मुद्दों पर रहेगा फोकस

भावी प्रत्याशियों ने अपनी रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। गांवों में सड़क, पानी, बिजली, रोजगार और विकास कार्य जैसे मुद्दे चर्चा में आने लगे है। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस बार चुनाव में युवाओं की भागीदारी भी बढ़ सकती है, जिससे मुकाबला और रोचक होने की संभावना है

निकाय चुनावों को लेकर भी बढ़ी उम्मीद

ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी निकायों में भी चुनाव को लेकर उत्साह बढ़ा है। बस्सी नगरपालिका का गठन हुए करीब पांच साल हो चुके हैं. लेकिन अब तक यहां चुनाव नहीं हुए हैं। इसी तरह जमवारामगढ़ और कानोता में भी निकाय चुनाव लंबित हैं। हाईकोर्ट के ताजा आदेश के बाद इन क्षेत्रों में भी चुनाव की उम्मीद मजबूत हुई है।

हजारों पदों पर होगा चुनाव

जयपुर जिले में जिला परिषद के 7 वार्ड हैं। इसके अलावा 22 पंचायत समितियों में 386 पंचायत समिति सदस्य वार्ड आते तथा इनके अंतर्गत 596 ग्राम पंचायतें हैं। इन पंचायतों में जारों वार्ड पंचों के पदों पर भी चुनाव होना है। इतने बड़े स्तर पर चुनाव होने से पूरे जिले में व्यापक राजनीतिक गतिविधियां देखने को मिलेंगी। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस बार स्थानीय मुद्दे चुनाव में अहम भूमिका निभाएंगे।

दूर दराज से आए संतों ने दिया भक्तों को आशीर्वाद, भक्तों ने पाई पंगत प्रसादी

पापड़ के हनुमान मंदिर में 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ का आनंदमय समापन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर सेक्टर 8 स्थित श्री पापड़ के हनुमान जी मंदिर में चल रहे 108 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ का आज स्वाहा की आहुतियां के साथ समापन हो गया। पापड़ के हनुमान मंदिर के महंत महामंडलेश्वर श्री राम सेवक दास जी महाराज के सानिध्य में हुआ 108 कुंडीय श्री राम महायज्ञ मैं बड़े-बड़े संत और पीठाधीश्वरों ने आकर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया। यज्ञ में 108 कुंडों पर लगभग 225 जोड़ों ने आहुतियां दी और यज्ञ आचार्य सतीश शास्त्री के नेतृत्व में लगभग डेढ़ सौ पंडितों ने यज्ञ का यजन करवाया। 17 मई से प्रारंभ हुए इस यज्ञ में आसपास के गांवो और कालोनीयों से भी बड़ी संख्या में लोग यज्ञ के दर्शन करने पहुंचे। यज्ञ के अंतिम दिन 25 मई को भंडारे का आयोजन किया गया। जिसमें देर रात तक हजारों की संख्या में आगंतुक भक्तों ने पंगत प्रसादी ग्रहण की। भंडारे से पूर्व बड़ी संख्या में आए संतों का महाराज श्री राम सेवक दास जी ने संत परंपरा के अनुसार प्रसादी ग्रहण कराई और भेंट दी।

प्रवक्ता मीठालाल सामोता ने बताया कि यज्ञ समिति के पदाधिकारियों डॉ पवन कुमार गुप्ता राजेंद्र अग्रवाल ललित अग्रवाल रतन सिंह सुरेश कुमार कपिल देव कजोड़मल गुर्जर, कमल गुप्ता एवं कार्यकर्ताओं ने अतिथि एवं संतों का स्वागत किया।

विधायक बालमुकुंद आचार्य ने दी यज्ञ में आहुतियाँ

जागरूक जनता @ हवामहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं हाथोज धाम महंत बालमुकुंद आचार्य जी श्री राम महायज्ञ स्थल पहुंचे और यज्ञ में आहुतियाँ दी। इसके पश्चात श्रद्धालुओं को सनातन धर्म के बारे में जानकारी देते हुए आशीर्वचन कहे। यज्ञ आचार्य सतीश शास्त्री ने यज्ञ में नित्यार्चन के बाद भगवान श्री राम जानकी जी के सहस्त्रनाम की यजमानों से आहुतियां दिलवाई। गुरु पूजन के तहत मंदिर महंत महामंडलेश्वर श्री राम सेवक दास जी महाराज का भक्तों ने चरण वंदन किया और लड्डू गोपाल भगवान श्री राम के दर्शन किए। यज्ञ स्थल पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही और यज्ञ की परिक्रमा करने वालों की भक्ति देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर परिक्रमा लगाने वाले श्रद्धालु भगवान श्री राम के जयकारे लगा रहे थे।

उत्साह से मनाया जन्मदिन

जयपुर @ जागरूक जनता। स्पार्कल फार्म हॉउस वैशाली मे आपने लाडले अविराज जोशी सुपुत्र सोमेन्द्र नीलम जोशी का प्रथम जन्मदिन बीते दिनों धूमधाम के साथ मनाया गया। समारोह का मुख्य आकर्षण अविराज का प्यारा सा बर्थडे केक रहा, जिसे माता-पिता और परिवार के अन्य नन्हे-मुन्नों की मौजूदगी में काटा गया। उपस्थित अतिथियों ने बच्चे के उज्ज्वल भविष्य, उत्तम स्वास्थ्य और लंबी आयु की कामना की इस अवसर पर नाना सुआ लाल, नानी कौशल्या ने आए हुए सभी मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा, "हमारे जीवन में अविराज का आना किसी आशीर्वाद से कम नहीं है। समारोह मे नाना सुआ लाल के साथ वरिष्ठ भामाशाह एवं प्रमुख उद्योगपति प्रदीप शर्मा, जय हिन्द शुभकामना ग्रुप संयोजक नगेन्द्र वशिष्ठ, भाजपा नेता कैलाश चोटियां का भी अविराज को आत्मिक आशीर्वाद मिला "समारोह में स्वादिष्ट व्यंजनों का आयोजन किया गया था और सभी मेहमानों ने इस यादगार पल का भरपूर आनंद लिया।

धौलपुर में हुआ कृषि आदान विक्रेताओं का विशाल सम्मेलन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

धौलपुर। जिले के संगठन द्वारा बीते दिनों कृषि आदान विक्रेताओ का एक विशाल सम्मेलन आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में लगभग 250-260 सदस्य उपस्थित थे। रायड़ा पदाधिकारियों को भी इस सभा में आंमत्रित किया गया था। धौलपुर जिला संगठन हमारे राज्य में बेहद सक्रिय जिला संगठन के रुप में उभरा है। जिले के सभी वर्तमान पदाधिकारियों व अन्य सक्रिय साथियों ने कड़ी मेहनत व जनसंपर्क करके सदस्यता अभियान शुरू किया था। रायड़ा संगठन को धौलपुर जिला संगठन पर गर्व है। आपके प्रयासों से लगभग 255 सदस्य बन गये है तथा आश्वस्त किया है कि शीघ्र ही शेष कृषि आदान विक्रेताओं को भी संगठन से जोड़ दिया जाएगा। जिससे सदस्य संख्या 300-350 तक पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रम में रायड़ा अध्यक्ष पुरुषोत्तम खंडेलवाल व महासचिव प्रमोद शर्मा शामिल थे। धौलपुर से संस्था संरक्षक सतीश जैन, कुंजबिहारी, प्रेम सिंह त्यागी, ऋषि मितल, राजेश गर्ग व बहुत से अन्य साथी उपस्थित थे। हम आशा करते हैं कि अन्य जिला संगठन भी शीघ्र ही सक्रिय होकर संगठनात्मक कार्य सुचारू रूप से करेंगे।

मूंगफली बीज की कपंनी पर मंत्री का छापा, फंगस और संक्रमित बीज बेचने की थी शिकायत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल ने मंगलवार को चौमूं (जयपुर) स्थित सिल्वर पार्क (रीको) में औचक निरीक्षण किया। इस दौरान 'एग्रो जेनिक्स क्रॉप साइंस' एवं 'जीएम एग्रो इंडस्ट्रीज' नामक अनधिकृत कंपनियों द्वारा 'श्री बालाजी एग्रो सीकर' के नाम से गुणवत्ताहीन मूंगफली बीजों की अवैध पैकेजिंग किए जाने का गंभीर मामला सामने आया है। किसानों के हितों की रक्षा एवं नकली-अमानक कृषि उत्पादों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से आज जोधपुर, बीकानेर, सीकर एवं चूरू सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में कृषि विभाग की टीमों द्वारा एक साथ व्यापक निरीक्षण एवं कार्रवाई अभियान चलाया गया। कार्रवाई के दौरान अमानक बीज एवं अन्य कृषि उत्पादों के निर्माण और पैकेजिंग में संलिप्त कई अवैध इकाइयों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की गई।

कंपनियों के रिकॉर्ड चेक किए

जानकारी के अनुसार, कृषि मंत्री अधिकारियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे और विभिन्न बीज कंपनियों के रिकॉर्ड, स्टॉक और गुणवत्ता की जांच करवाई। आरोप है कि बाजार में ऐसे मूंगफली बीज बेचे जा रहे हैं जिनमें फंगस संक्रमण की संभावना है, जिससे किसानों की फसल प्रभावित हो सकती है।

विदेश जाने वाली कई खेप रोकी

मामले में यह भी सामने आया है कि राजस्थान से विदेशों में निर्यात होने वाली मूंगफली की कई खेप गुणवत्ता संबंधी कारणों से रोकी गई हैं। बताया जा रहा है कि खराब बीज और फंगस संक्रमण की शिकायतों के बाद विभाग ने सख्ती दिखाई है।

अवैध रूप से हो रही थी पैकजिंग

किरोड़ी लाल मीणा को निरीक्षण में मौके पर किसान-510 (RG-510), SG-551 एवं RG-578 किस्मों के मूंगफली बीजों की पैकेजिंग के लिए उपयोग में लिए जा रहे लाखों खाली बैग एवं हजारों पैक किए हुए बैग बरामद किए गए, इसके अतिरिक्त लगभग 60 लाख खाली मूंगफली बोरियां और करीब 2 लाख साबुत मूंगफली की बोरियां भी मौके से मिलीं, जिनसे दाना निकालकर अवैध रूप से बीज पैकिंग की जा रही थी। निरीक्षण के दौरान मूंगफली से दाना निकालने वाली हाईटेक मशीनें एवं पैकेजिंग बैग सिलाई मशीनें भी बरामद की गईं। पूरे मामले में संबंधित इकाइयों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जा रही है।

संविदा शिक्षकों को मिली बड़ी राहत, अब एनओसी दे सकेंगे जिला शिक्षा अधिकारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बीकानेर। राजस्थान शिक्षा विभाग में संविदा पर कार्यरत सहायक अध्यापक अब नौकरी के साथ उच्च अध्ययन भी कर सकेंगे। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने संविदा शिक्षक नियम-2022 में शिथिलता देते हुए लेवल प्रथम तथा लेवल द्वितीय के अंग्रेजी, विज्ञान और गणित विषय के संविदा शिक्षकों को पत्राचार माध्यम से उच्च अध्ययन की अनुमति दे दी है। वित्त एवं कार्मिक विभाग की स्वीकृति के बाद जारी आदेशों में सभी जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक मुख्यालय) को निर्देश दिए गए हैं कि यदि उनके अधीन कार्यरत संविदा शिक्षक उच्च अध्ययन के लिए आवेदन करते हैं, तो उन्हें निर्धारित शर्तों के तहत एनओसी जारी की जा सकती है।

पढ़ाई से अध्यापन प्रभावित नहीं होना चाहिए

निदेशालय ने स्पष्ट किया है कि पत्राचार माध्यम से किया जाने वाला उच्च अध्ययन शिक्षकों के नियमित कार्य और अध्यापन व्यवस्था में बाधा नहीं बनना चाहिए। चूंकि सहायक अध्यापक लेवल प्रथम और द्वितीय के नियुक्ति अधिकारी जिला शिक्षा अधिकारी होते हैं, इसलिए एनओसी जारी करने का अधिकार भी उन्हें ही दिया गया है।

पहले नियमों में थी रोक

संविदा नियमों के तहत अब तक यह प्रावधान था कि कोई भी संविदा शिक्षक सरकार की अनुमति के बिना किसी अन्य पूर्णकालिक या अंशकालिक कार्य, व्यवसाय अथवा पाठ्यक्रम का अनुसरण नहीं करेगा। इसी प्रावधान के चलते संविदा शिक्षकों को उच्च अध्ययन की अनुमति नहीं मिल पाती थी। अब वित्त विभाग द्वारा दी गई शिथिलता के बाद संविदा शिक्षक पत्राचार माध्यम से उच्च अध्ययन कर सकेंगे।

वरिष्ठ अध्यापक पदोन्नति के लिए प्रयोगशाला सहायक को भी मिलेगा मौका : निदेशक सीताराम जाट की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि 1 अप्रेल 2022 की स्थिति के अनुसार तैयार की गई वरिष्ठता सूचियों के आधार पर नियमित डीपीसी आयोजित की जाएगी। यह निर्देश प्रदेश के सभी संयुक्त निदेशकों को भेजे गए है। आदेश में कार्मिक विभाग के 19 अगस्त 2025 के निर्देशों तथा 11 मई 2026 को जारी पत्र का हवाला देते हुए बताया गया है कि विभिन्न पदों पर नियमित पदोन्नति प्रक्रिया समयबद्ध पूरी की जानी है।

"मेरा गाँव मेरा गौरव" रात्रि चौपाल आयोजित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

टोंक। भाकृअनुप-केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान अविकानगर द्वारा मालपुरा तहसील के गोद लिए गांव लक्ष्मीपुरा में "मेरा गाँव मेरा गौरव" कार्यक्रम के अंतर्गत रात्रि चौपाल का आयोजन निदेशक डॉ अरुण कुमार तोमर के मार्गदर्शन मे किया गया, जिसमें कुल 68 (35 पुरुष और 33 महिला) किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में संस्थान के पशु आनुवांशिकी एवं प्रजनन विभाग के विभागाध्यक्ष, डॉ. एस. एस. मिश्रा द्वारा कृषि में पशुओं के महत्व, उनके रख-रखाव एवं प्रबंधन की जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने संतुलित उर्वरक प्रबंधन एवं जैविक खेती के महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला।

इसके अतिरिक्त, डॉ. मिश्रा ने किसानों को भेड़-बकरियों में उन्नत नस्लों के महत्व तथा बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए समय पर टीकाकरण की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। साथ ही, ग्रीष्मकालीन मौसम में भेड़-बकरियों को दस्त एवं लू से बचाने हेतु उचित आवास, संतुलित आहार तथा स्वच्छ जल की समुचित व्यवस्था के महत्व पर भी प्रकाश डाला। साथ ही कार्यक्रम के दौरान किसानों की समस्याओं का समाधान अविकानगर की वैज्ञानिक टीम द्वारा किया गया तथा प्रश्नोत्तरी के माध्यम से विजेता किसानो को इनपुट्स का वितरण कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक एवं कर्मचारी–डॉ. राजेश बिश्नोई, डॉ. रंगलाल मीणा एवं सीताराम मीना ने भाग लिया।

एआई से होगी 'स्मार्ट खेती', 95 लाख किसानों के लिए बड़ी पहल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में खेती-किसानी को सटीक और डेटा आधारित बनाने के लिए भी एआई का इस्तेमाल किया जाएगा। किसानों को मौसम, फसल, रोग, सिंचाई और कीट प्रबंधन से जुड़ी सलाह समय पर मिल सकेगी। इसके लिए सरकार ने प्रयास शुरू कर दिए हैं। एआई तकनीक से किसानों के खेत, फसल और स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर जरूरत के मुताबिक सुझाव मिलेगा। इससे उत्पादन बढ़ाने और नुकसान कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। कृषि विभाग और Wadhwani AI के बीच समझौते के बाद किसानों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सेवाएं पहुंचाने की तैयारी शुरू हो गई है।

किसानों की फार्मर आईडी भी तैयार

एग्री-स्टैक केंद्र और राज्य सरकारों की डिजिटल कृषि पहल है। इसमें किसानों की जमीन, फसल, खेती के पैटर्न और सरकारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी को एक प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाता है। इससे किसानों को टारगेटेड सेवाएं देने के साथ-साथ सब्सिडी, बीमा और कृषि योजनाओं की मॉनिटरिंग भी आसान होगी। कृषि विभाग के आयुक्त नरेश गोयल ने बताया कि राज्य में एग्री-स्टैक परियोजना के तहत करीब 95 लाख किसानों की 'फार्मर आईडी' तैयार की जा चुकी है। इन आईडी को जमीन रिकॉर्ड और कृषि डेटा से जोड़ा जा रहा है, ताकि किसानों की डिजिटल प्रोफाइल तैयार हो सके। इसी डेटा के आधार पर किसानों तक योजनाओं और सलाह का लाभ सीधे पहुंचाया जाएगा।

खेत की तस्वीर से पता चल जाएगी बीमारी

'एग्रीवाणी' किसानों को स्थानीय भाषा में खेती से जुड़ी सलाह उपलब्ध कराएगा। इसमें मौसम अपडेट, सिंचाई प्रबंधन, उर्वरक उपयोग, कीटनाशक और फसल देखभाल जैसी जानकारियां शामिल होंगी। वहीं, 'क्रोपस' AI आधारित इमेज और डेटा एनालिसिस के जरिए फसलों में रोग और कीट की शुरुआती पहचान करेगा। किसान खेत की तस्वीर साझा कर सकेंगे, जिसके आधार पर बीमारी या खतरे का अनुमान लगाकर समाधान भी पता चला जाएगा। इससे फसल खराब होने से पहले ही बचाव संभव हो सकेगा।

सरकार पर नहीं आएगा अतिरिक्त वित्तीय भार

इसे 'फ्री टेक्नोलॉजी पार्टनर मॉडल' के तहत शुरू किया जा रहा है। तकनीकी सहयोग का सरकार पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ नहीं पड़ेगा। अधिकारियों के मुताबिक, इससे कृषि सेवाओं को आधुनिक और तेज बनाने में मदद मिलेगी।

बदलते मौसम-जल संकट में राहत

राजस्थान में लगातार बदलते मौसम, कम बारिश, पानी की कमी और कीट प्रकोप खेती के लिए बड़ी चुनौती बने हुए हैं। ऐसे में AI आधारित तकनीक मौसम और फसल डेटा का विश्लेषण कर पहले से अलर्ट जारी कर सकेगी। इससे किसान समय रहते फसल बचाव के कदम उठा पाएंगे।

यूईएम के मंच पर हुआ चर्चा, शोध और प्रस्तुति

AIMBIG OCEANIA 2026: वैश्विक अकादमिक सहयोग से संपन्न

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिडनी, ऑस्ट्रेलिया। AIMBIG OCEANIA 2026 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दो-दिवसीय सम्मेलन में दुनिया भर से प्रतिष्ठित शिक्षाविद, शोधकर्ता, उद्योग विशेषज्ञ, इनोवेटर और छात्र एक साथ आए, जहाँ गहन चर्चाएँ हुईं, प्रभावशाली शोध प्रस्तुतियाँ दी गईं और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा मिला। वैश्विक अकादमिक उत्कृष्टता और अंतर्विषयक नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित इस सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रबंधन, फिनटेक, साइबर सुरक्षा, डेटा एनालिटिक्स और उभरती हुई तकनीकों के क्षेत्रों में उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली।

सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, प्रबंधन और फिनटेक–के अंतर्गत 18 ऑनलाइन शोध पत्र प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की गईं। तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता डॉ. राहुल शर्मा और जगदीश सुंदरमूर्ति ने की, जबकि सत्रों के संचालन की ज़िम्मेदारी प्रो. सौरभ बनर्जी और डॉ. श्वेता पारेख ने कुशलतापूर्वक निभाई। अकादमिक कार्यवाही का संचालन प्रो. डॉ. प्रीति शर्मा के मार्गदर्शन और नेतृत्व में किया गया।

कॉन्फ्रेंस स्मारिका का आधिकारिक विमोचन AIMBIG OCEANIA 2026 के प्रमुख आकर्षणों में से एक रहा। इस प्रकाशन में कॉन्फ्रेंस से जुड़े प्रमुख शोध योगदान, स्वीकृत पत्र, सारांश, विशेषज्ञों के संदेश और शैक्षणिक उपलब्धियों को दस्तावेजित किया गया। विमोचन समारोह में संकाय सदस्यों, सत्र अध्यक्षों, आमंत्रित पेशेवरों, शोधकर्ताओं और प्रतिभागियों ने भाग लिया; यह एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि थी और वैश्विक शोध प्रसार के प्रति कॉन्फ्रेंस की प्रतिबद्धता का प्रतीक थी।

आयोजन समिति ने कॉन्फ्रेंस को सफलतापूर्वक आयोजित करने में उनके उत्कृष्ट समन्वय, समर्पण और निरंतर सहयोग के लिए प्रो. सौरव बनर्जी, डॉ. श्वेता पारीख, प्रो. ऋषा शर्मा, प्रो. जे.एन. सिंह और प्रो. सौरव चक्रवर्ती के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। संयोजक प्रो. डॉ. प्रीति शर्मा का उनके असाधारण नेतृत्व, दूरदृष्टि और समर्पण के लिए विशेष आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने AI को साकार करने में एक निर्णायक भूमिका निभाई।

कासिन्द्रा विद्यालय के दो विद्यार्थियों का छात्रवृत्ति परीक्षा में चयन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सिरोही। ग्राम पंचायत अचपुरा के राजस्व गांव कासिंद्रा के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय कासिंद्रा के छात्र कुणाल सुथार पुत्र दुर्गेश सुथार एवं छात्रा थावरी पुत्री साजाराम का नेशनल मिन्स कम मेरिट स्कॉलरशिप परीक्षा में चयन हुआ है एनएमएमएस प्रभारी व संस्था प्रधान महेन्द्र सिंह बाजिया ने बताया कि नेशनल मीन्स कम मैरिट स्कॉलरशिप परीक्षा जो कि केंद्र सरकार प्रवर्तित छात्रवृत्ति योजना है में प्रतिवर्ष प्रति बालक 12,000 चार साल तक देय है इसके लिए राजकीय विद्यालय में आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले विद्यार्थी आवेदन के पात्र होते हैं सत्र 2025- 26 में विद्यालय के संस्था प्रधान महेन्द्र बाजिया व शिक्षक अमृतलाल, हमीर सिंह,जितेन्द्रसिंह, पूनाराम, अर्जुनराम, भावना डामोर,देवी देवासी, भीमाराम के मार्गदर्शन में बच्चों को एनएमएमएस की तैयारी करवाई गई एवं बच्चों को प्रोत्साहित कर परीक्षा दिलवाई जिसमें विद्यालय के दो विद्यार्थियों का चयन हुआ संस्था प्रधान महेंद्र सिंह बाजिया ने बताया कि पिछले सत्रों में लगातार बच्चो का चयन इस विद्यालय से हो रहा है ग्रामवासियों ने विद्यालय परिवार का इस उपलब्धि हेतु आभार प्रकट किया इस सत्र 2026-27 में पूर्व से ही तैयारी व अतिरिक्त कक्षाएं संचालित कर तैयारी करवाई जाएगी।

नारी निकेतन बन रहे निराश्रित महिलाओं के लिए उम्मीद का सवेरा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। सपनों के टूटने, अपनों के छूटने और सामाजिक प्रताड़ना के अंधकार से निकलकर जब कोई महिला राजस्थान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के 'नारी निकेतन' (राज्य महिला सदन) की दहलीज पर कदम रखती है, तो उसे सिर्फ एक छत नहीं मिलती, बल्कि मिलता है आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और जीने की नई किरण।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के संवेदनशील नेतृत्व और दूरदर्शी सोच के चलते आज प्रदेश के ये केंद्र महज़ शेल्टर होम नहीं, बल्कि निराश्रित और आश्रयहीन युवतियों की तकदीर बदलने वाली कर्मस्थली बन चुके हैं। वर्तमान में विभाग द्वारा जयपुर संभाग के जिला मुख्यालय पर 150 क्षमता का एक महिला सदन और शेष अन्य संभागों के जिला मुख्यालयों पर 50-50 क्षमता के साथ एक-एक नारी निकेतन संचालित है, जहाँ उनके जीवन को एक नई और सम्मानजनक दिशा दी जा रही है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने बताया कि इन संस्थानों का मुख्य उद्देश्य सामाजिक रूप से उत्पीड़ित, अनैतिक परिस्थितियों की शिकार एवं निराश्रित महिलाओं को सुरक्षा प्रदान करना और उनमें नवजीवन का संचार करना है। यहां महिलाओं को सुरक्षित वातावरण में निःशुल्क आवास, भोजन, वस्त्र एवं चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। यहां त्योहारों और सांस्कृतिक उत्सवों का आयोजन भी सामूहिक रूप से होता है, जिससे महिलाओं को अकेलेपन का अहसास न हो। इन्हें एडवांस्ड सिलाई-कढ़ाई और ब्यूटीशियन कोर्स जैसी आधुनिक ट्रेनिंग भी उपलब्ध कराई जाती है।

महिलाओं के कल्याण पर बढ़ता व्यय

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री गहलोत ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा महिला सदन एवं नारी निकेतनों में निवासरत 1006 महिलाओं के पुनर्वास और कल्याण पर पिछले ढाई वर्षों में 1613.35 लाख रुपये व्यय किए गए है। इन नारी निकेतनों की आवासनीयों में से 30 से ज्यादा महिलाओ को विवाह के माध्यम से पुनर्वासित किया गया है और 218 महिलाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण दिया गया है। यह आंकड़े राज्य सरकार की महिलाओं के कल्याण और पुनर्वास के प्रति गंभीर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

जब 11 आवासिनियों के लिए आए 1400 से ज्यादा रिश्ते

इस सकारात्मक बदलाव और लगातार बढ़ते पुनर्वास का सबसे जीवंत उदाहरण हाल ही में राज्य महिला सदन, जयपुर में देखने को मिला। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में जब संस्थान की 11 योग्य युवतियों के विवाह के लिए सार्वजनिक विज्ञप्ति जारी की गई, तो समाज की सोच में एक बड़ा बदलाव नजर आया। इन 11 बेटियों से विवाह के लिए प्रदेशभर से 1900 से अधिक उच्च शिक्षित और सुयोग्य युवकों ने आवेदन किया। विभाग ने केवल आर्थिक स्थिति नहीं, बल्कि पुलिस वेरिफिकेशन और पारिवारिक पृष्ठभूमि की पूरी जांच के बाद ही वरों का चयन किया। इन शादियों का आयोजन किसी रसूखदार परिवार की तरह धूमधाम से किया जाता है, जहाँ स्वयं मुख्यमंत्री, प्रशासनिक अधिकारी 'कन्यादान' करने और आशीर्वाद देने पहुंचते हैं।

पीएनजी उपभोक्ताओं को ट्रांसफर वाउचर का विकल्प

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 'तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (आपूर्ति और वितरण का विनियमन) संशोधन आदेश, 2026' की आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। इस नए संशोधन का सीधा और सबसे बड़ा फायदा राजस्थान के उन लाखों परिवारों को मिलने जा रहा है जो तेजी से बढ़ती पाइपलाइन गैस यानी पीएनजी (PNG) की तरफ शिफ्ट हो रहे हैं, लेकिन भविष्य में ट्रांसफर होने या घर बदलने के डर से अपना पुराना एलपीजी सिलेंडर सरेंडर करने से कतराते थे।

अब तक का नियम यह था कि यदि आपके घर में पीएनजी (पाइप वाली गैस) का कनेक्शन आ जाता था, तो सरकारी तेल कंपनियों के नियमों के मुताबिक आपको अपना पुराना एलपीजी गैस सिलेंडर और कनेक्शन सरेंडर करना पड़ता था। लेकिन केंद्र सरकार ने इस जटिल प्रशासनिक प्रक्रिया को पूरी तरह बदलते हुए उपभोक्ताओं को 'ट्रांसफर वाउचर' का एक ऐसा बेहतरीन विकल्प दे दिया है, जिसने उपभोक्ताओं को

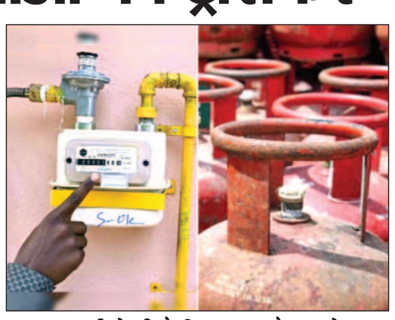

यह आजादी दे दी है कि उनका गैस कनेक्शन उनके साथ-साथ देश और राज्य के किसी भी कोने में बिना किसी अड़चन के सफर कर सकेगा। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा जारी किए गए इस नए संशोधित आदेश के तहत अब पीएनजी कनेक्शन धारक उपभोक्ताओं के पास मुख्य रूप से दो बड़े और बेहद लचीले विकल्प मौजूद रहेंगे।

30 दिनों के भीतर कनेक्शन समाप्त करने की छूट: नया पीएनजी कनेक्शन मिलने के 30 दिनों के भीतर उपभोक्ता यदि चाहे, तो स्वेच्छा से अपने पुराने एलपीजी कनेक्शन को पूरी तरह समाप्त यानी टर्मिनेट करने के लिए आवेदन कर सकता है। इसके लिए उस पर कोई दबाव या पेनल्टी नहीं लगाई जाएगी।

भविष्य के लिए 'ट्रांसफर वाउचर' : यदि उपभोक्ता को लगता है कि उसकी नौकरी ट्रांसफरेबल है या वह भविष्य में किसी ऐसे इलाके में जा सकता है जहाँ पाइपलाइन नहीं है, तो वह गैस एजेंसी से एक विशेष 'ट्रांसफर वाउचर' ले सकता है। यह वाउचर इस बात की कानूनी गारंटी होगा कि भविष्य में किसी भी नॉन-पीएनजी क्षेत्र में जाने पर उसे बिना किसी नए झंझट या अतिरिक्त पैसे के तुरंत एलपीजी गैस सिलेंडर और रेगुलेटर वापस सौंप दिया जाएगा।

जयपुर से जैसलमेर तक, क्या और कितना होगा असर?

राजस्थान की एक भौगोलिक और सामाजिक बनावट ऐसी है जहां यह नियम एक बहुत बड़ा गेमचेंजर साबित होने वाला है। राजस्थान में एक तरफ जयपुर, जोधपुर, भिवाड़ी और कोटा जैसे मेट्रो और औद्योगिक शहर हैं जहां पीएनजी नेटवर्क तेजी से बिछ रहा है, वहीं दूसरी तरफ थार के रेगिस्तानी इलाके और सुदूर गांव हैं जहां अभी पीएनजी इंफ्रास्ट्रक्चर पहुंचने में सालों का वक्त लगेगा।

अवैध रीफिलिंग पर लगेगी लगाम !

इस ऐतिहासिक संशोधन के बाद राजस्थान के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने भी इसका स्वागत किया है। जयपुर स्थित सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों का मानना है कि इस नियम से राज्य में घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रीफिलिंग और ब्लैक मार्केटिंग पर बहुत बड़ी लगाम लगेगी।

विद्यालय के अध्ययनरत 10वीं और 12वीं के छात्रों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक लाकर रचा प्रेरणादायक इतिहास

मंडाना (कोटा) आवासीय विद्यालय देश के लिए बन रहा संघर्ष से सफलता की अनूठी मिसाल

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की संवेदनशील और समावेशी सोच को धरातल पर साकार करता कोटा जिले के मंडाना कस्बे में संचालित प्रदेश का एकमात्र "भिक्षावृत्ति एवं अन्य अवांछित गतिविधियों में लिप्त परिवारों के बालकों हेतु राजकीय आवासीय विद्यालय" आज सामाजिक परिवर्तन और पुनर्वास की प्रेरणादायक मिसाल बन चुका है। यहां भिक्षावृत्ति और अवांछित गतिविधियों से जुड़े परिवारों के बच्चों ने आम बच्चों की तरह 10वीं और 12वीं में 80% से ज्यादा अंक हासिल कर अनूठी मिसाल कायम की है। राजस्थान का कोटा शहर जहां शिक्षा नगरी के रूप में अपनी पहचान रखता है, वहीं कोटा से लगभग 35 किलोमीटर दूर स्थित मंडाना कस्बा अब उन बच्चों की सफलता की वजह से चर्चा में है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों के बावजूद 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन कर यह साबित कर दिया कि अवसर मिलने पर हर बच्चा सफलता हासिल कर सकता है।

संघर्षों से निकलकर सफलता तक का सफर

साधारण परिस्थितियों में पढ़ने वाले बच्चों के लिए 10वीं और 12वीं में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करना बड़ी उपलब्धि माना जाता है, लेकिन मंडाना आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों की सफलता इसलिए विशेष है क्योंकि उन्होंने बेहद कठिन हालातों से निकलकर यह मुकाम हासिल किया है। इन बच्चों ने बचपन में सामाजिक तिरस्कार, आर्थिक तंगी और असुरक्षित माहौल देखा है। कई बच्चों के लिए शिक्षा केवल एक सपना थी, लेकिन आज वही बच्चे पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने भविष्य को नई दिशा दे रहे हैं। राज्य सरकार और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित इस आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत 10वीं और 12वीं के सभी 51 विद्यार्थियों ने परीक्षा में शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त कर एक प्रेरणादायक कीर्तिमान स्थापित किया है। इस आवासीय विद्यालय में बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, सुरक्षित आवास, भोजन, पुस्तकें, यूनिफॉर्म, खेलकूद और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं।

238 बच्चों के जीवन में आई नई रोशनी

इस आवासीय विद्यालय में कुल 238 छात्र अध्ययनरत हैं। इसआवासीय विद्यालय में ऐसा सकारात्मक और सुरक्षित वातावरण तैयार किया गया है, जहां बच्चे बिना किसी भय या भेदभाव के आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। शिक्षकों और कर्मचारियों द्वारा बच्चों को परिवार जैसा स्नेह और मार्गदर्शन दिया जाता है, जिससे उनके व्यवहार, सोच और आत्मविश्वास में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। अब ये बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और प्रतियोगी परीक्षाओं में भी रुचि ले रहे हैं।

100 प्रतिशत परिणाम बना प्रेरणा

इस वर्ष विद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। 10वीं और 12वीं के सभी 51 विद्यार्थियों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर शत-प्रतिशत परिणाम दर्ज किया। 12वीं कक्षा में कुल 20 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 17 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी, 2 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी तथा 1 विद्यार्थी ने तृतीय श्रेणी प्राप्त की। छात्र रमेशचंद ने 87.60 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया, जबकि जगदीश ने 83 प्रतिशत अंक हासिल कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वहीं 10वीं कक्षा में परीक्षा देने वाले सभी 31 विद्यार्थी सफल रहे। इनमें 13 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी तथा 18 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी प्राप्त की। नितेश कुमार ने 88.67 प्रतिशत तथा रामलखन ने 86 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर शानदार सफलता हासिल की।

नौ तपा

डॉ. तुषार जागावत
प्रो. निम्स मेडि. कॉलेज
@jagrukjanta.net

आओ हम सब मिलकर नौ तपा के बारे में बात करते हैं। सूरज की गर्मी,
तपिश, प्रचंड लू से मुलाकात करते हैं।।
आज से ज्येष्ठ माह के सूर्य, रोहिणी नक्षत्र में
प्रवेश करेंगे। इस धरती को पूरे साल में, सबसे
ज्यादा तपाकर गर्म करेंगें ।।
आज से सूरज देवता अपनी गर्मी के घोड़ों को
पूरे वेग से दौडायेंगें। ये तीखे, क्रोधित, गर्मी के
थपेड़े, हम सब को बुरी तरह झुलसायेंगे ।।
नौ तपा के दिनों में दिन का तापमान, 45 डिग्री
से ऊपर ही रहता है। जहां तक संभव हो, दोपहर
में बाहर न निकलने के लिए कहता है ।।
नौ तपा के कारण ही स्कूल-कालेज में गर्मी की
छुट्टियां होती हैं। घर के अंदर पंखें-कूलर के इस्तेमाल से हम सबकी रक्षा
होती है।।
सावधानी और समझदारी से इस नौतपा के नुकसान से बचा जा सकता है।
संभव हो तो हिल स्टेशन जाएं, वर्क फ्रोम होम को अपनाया जा सकता है।।
नौतपा से बचने के लिए खूब सारे पेड-पौधें लगाएं, बारिश- सर्दी में पानी
बचाएं। ठंडे तरल पदार्थों का नियमित सेवन करें, प्याऊ लगाएं, सबको
पानी पिलाएं।।
नौ तपा के दौरान पर्याप्त-नियमित पानी, छाछ, शिकंजी, ओ.आर.एस. का
सेवन करें। यदि बाहर निकलना हो तो धूप का चश्मा, बडे छाते, सफेद
कपडों का इस्तेमाल करें।।
नौ तपा में लू के थपेड़ों के साथ हीट-स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन का खतरा सा
रहता है। नौतपा के बाद धूल भरी तेज रफ्तार हवाएं चलती हैं, आंधी-
तूफान - बारिश सा रहता है।।

पाली में जल संरक्षण जन अभियान का आगाज, आयोजित हुईं विभिन्न गतिविधियां

जल के बिना सृष्टि की कल्पना असंभव - कुमावत

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पाली। "वन्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2026" के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुसार गंगा दशहरा के अवसर पर पाली जिला प्रशासन द्वारा एक भव्य "वन्दे गंगा कलश यात्रा" का आयोजन किया गया। अभियान सोमवार, 25 जून से प्रारंभ होकर विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून तक चलेगा। अभियान में प्रत्येक दिन विभिन्न विभागों की विविध गतिविधियां आयोजित होगी।

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने प्रातः व्यास सर्कल से हरी झंडी दिखाई और अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने फेरी को हरी झंडी दिखायी जल बचाने की व संरक्षित रखने की शपथ भी दिलायी। साथ ही लखोटिया उद्यान में श्रमदान एवं स्वच्छता गतिविधियां भी आयोजित की गई, जिनमें श्री कुमावत ने सहभागिता की। "वन्दे गंगा कलश यात्रा" के मार्ग और गऊ घाट पर पीपल पूजन, दीप प्रज्ज्वलन, आकर्षक रंगोली निर्माण तथा विधि-

विधान से जल पूजन जैसे अनेक सांस्कृतिक व पर्यावरण-अनुकूल कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान पूरे क्षेत्र में जल संरक्षण के नारों की गूँज रही। इस गरिमामयी कार्यक्रम में पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान कुमावत ने राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद के अंतर्गत स्वरोजगार से जुड़ी विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा महिला स्वयं सहायता समूहों एवं स्थानीय उद्यमों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इसके उपरांत मंत्री कुमावत ने लखोटिया उद्यान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणादायी "एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं उपस्थित जनों के साथ पौधारोपण किया। साथ ही उपस्थित नारी शक्ति को पीपल के पौधे वितरित कर पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम कुमावत ने कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आमजन को जल संरक्षण और नदियों की स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने जल की हर एक बूँद को सहेजने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि जल के बिना सृष्टि की कल्पना असंभव है। हमारी प्राचीन संस्कृति ने हमेशा जल और प्रकृति को पूजनीय माना है। कुमावत ने कहा कि आज बढ़ता जल संकट एक गंभीर चुनौती है। हमें अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाना ही होगा। मंत्री कुमावत ने उपस्थित जनसमूह को जल की बर्बादी रोकने और वर्षा जल संचयन (रेन वॉटर हार्वेस्टिंग) को अपनाने का संकल्प दिलाया। उनके साथ जिले के प्रभारी सचिव सचिव पी रमेश, जिला कलेक्टर डॉ. रविंद्र गोस्वामी, नगरपरिषद के पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा, जिला परिषद सीईओ मुकेश चौधरी, पुखराज पटेल, त्रिलोक चौधरी, स्काउट गाईड व बडी संख्या में बच्चे मौजूद रहे।

एयरफोर्स का नया रन-वे तैयार, 70 दिन बाद लौटेगी सुखोई की स्क्वाड्रन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जोधपुर। एयरफोर्स स्टेशन का नया रन-वे पूरी तरह तैयार हो गया है। इसके साथ ही करीब 70 दिन से अन्य एयरबेस पर संचालित की जा रही सुखोई-30 एमकेआई की 31वीं स्क्वाड्रन अब वापस लौटने को तैयार है। रन-वे के पुनर्निर्माण के दौरान लड़ाकू विमानों को पश्चिमी सीमा के समीप स्थित अन्य एयरफोर्स स्टेशनों पर स्थानांतरित किया गया था। एयरफोर्स स्टेशन के रन-वे की अंतिम री-कारपेटिंग वर्ष 2007 में हुई थी। लगभग दो दशक बाद इसका व्यापक नवीनीकरण किया गया है।

निर्माण कार्य 10 मार्च से शुरू होकर तीन चरणों में पूरा हुआ। पहले चरण में 10 से 28 मार्च तक एक छोर का निर्माण किया गया। इसके बाद 29 मार्च से 27 अप्रेल तक मध्य हिस्से पर काम चला, जिसके कारण सिविल उड़ानें भी एक माह तक प्रभावित रहीं और एयरपोर्ट बंद रखना पड़ा। मध्य भाग तैयार होने के बाद 28 अप्रेल से सिविल उड़ानों का संचालन फिर शुरू कर दिया गया। अंतिम चरण में दूसरे छोर का निर्माण हुआ, जो 20 मई को पूरा कर लिया गया। नए रनवे का पीसीएन (पेवमेंट क्लासिफिकेशन नंबर) 40 प्लस रखा गया है, जिससे भारी विमान भी सुरक्षित लैंडिंग कर सकेंगे।

फाईल

'द लायंस' के नाम से पहचान रखती है स्क्वाड्रन

एयरफोर्स स्टेशन पर सुखोई-30 एमकेआई की 31वीं स्क्वाड्रन तैनात है, जिसे 'द लायंस' के नाम से जाना जाता है। एक स्क्वाड्रन में सामान्यतः 16 से 18 लड़ाकू विमान शामिल होते हैं। सुखोई जैसे भारी और अत्याधुनिक लड़ाकू विमानों के सुरक्षित संचालन के लिए उच्च क्षमता वाले लंबे रन-वे की आवश्यकता होती है। निर्माण कार्य के दौरान स्क्वाड्रन की नियमित उड़ान गतिविधियां अन्य एयरबेस से संचालित की गईं।

पांच परतों वाला हाई-स्ट्रैंथ रन-वे

- करीब 100 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया।
- कुल लंबाई 2.5 किलोमीटर और चौड़ाई 45 मीटर है।
- 1700 मीटर हिस्से में 3500 मीट्रिक टन बिटुमिन का उपयोग कर फ्लेक्सिबल पेवमेंट बनाया गया।
- शेष 800 मीटर क्षेत्र में कंक्रीट पेवमेंट है, जो दोनों छोर पर विकसित किया गया है।
- रन-वे को पांच अलग-अलग लेयर में तैयार किया गया है।
- 40 प्लस पीसीएन (पेवमेंट क्लासिफिकेशन नंबर) क्षमता रखी गई है, जिससे भारी सैन्य विमान भी सुरक्षित संचालन कर सकेंगे।
- रन-वे में सामी (स्ट्रेस एब्जॉर्विंग मेम्बरेन इंटरलेयर) तकनीक का उपयोग किया गया है, जो लैंडिंग और टेकऑफ के दौरान उत्पन्न तनाव व झटकों के प्रभाव को कम करती है।

रणथम्भौर में वनकर्मियों को मिलेंगी रबर गन, दिखा रिद्धी का शावक

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

सवाईमाधोपुर। रणथम्भौर टाइगर रिजर्व में बाघ और अन्य वन्यजीवों के साथ मानव संघर्ष तथा आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए जल्द ही वनकर्मियों और होमगार्ड को रबर गन उपलब्ध कराने की कवायद की जा रही है। राज्य सरकार ने पूर्व में बजट में वनकर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जंगल में ट्रेकिंग, गश्त और पेट्रोलिंग करने वाले कर्मचारियों को बंदूकें उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसी क्रम में करीब सवा साल पहले रणथम्भौर के तत्कालीन सीसीएफ की ओर से उच्चाधिकारियों को रबर गन उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भेजा गया था।

उपवन संरक्षक ने दी जानकारी

सरकार की ओर से सुरक्षा के लिए गन उपलब्ध कराने की घोषणा की गई थी। इस पर विभाग की ओर से रबर गन का प्रस्ताव भेजा गया है और इस दिशा में कार्य जारी है। हालांकि अभी तक लिखित आदेश प्राप्त नहीं हुए हैं। -मानस सिंह, उपवन संरक्षक रणथम्भौर बाघ परियोजना सवाईमाधोपुर।

रबर गन की विशेषता

आमतौर पर 12-बोर पंप-एक्शन गन को रबर गन के रूप में उपयोग किया जाता है। यह नॉन-लेथल हथियार है, जो जानवरों या हमलावरों को गंभीर रूप से घायल किए बिना डराने और नियंत्रित करने में प्रभावी होता है। विशेष टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स के जवानों को इनका उपयोग कराया जाता है।

बाघिन टी-124 रिद्धी का शावक दिखा

त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर बाघों का मूवमेंट थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीते दिनों त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर बाघिन टी-124 यानि रिद्धी का शावक नजर आया। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार सुबह करीब सवा छह बजे गणेश मार्ग पर मजार के पास बाघिन रिद्धी का शावक नजर आया।

काजीपुरा में होगा लेपर्ड मूवमेंट, 20 करोड़ से बनेगा नया टूरिस्ट हॉटस्पॉट

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

अजमेर। काजीपुरा में अजमेर संभाग की पहली लेपर्ड सफारी तैयार हो रही है। लोहे की फेंसिंग, टिकट विंडो, चौकी सहित चारदीवारी का 80 प्रतिशत काम हो चुका है। जल्द यहां जिप्सी चलाने की योजना है। इससे पर्यटकों को सैर-सपाटे का मौका मिलेगा। राज्य सरकार की बजट घोषणा अनुसार विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बीते वर्ष सितम्बर में इसका शिलान्यास किया था। वन विभाग की अगुवाई में पहले चरण में 5.5 करोड़ रुपए से कार्य प्रारंभ हो चुका है। इससे 24 किलोमीटर क्षेत्र में ईको टूरिज्म बढ़ेगा। प्रे-बेस के लिए 1.50 करोड़ और सफारी के लिए 20 करोड़ रुपए खर्च होंगे। जल्द ही वन्यजीव सफारी में लेपर्ड का दीदार कर सकेंगे।

यह हो रहे हैं निर्माण

लेपर्ड सफारी में चारदीवारी, टिकट विंडो, चौकी, वॉच टावर का काम जारी है। पानी के लिए पॉन्ड बनेंगे। सफारी प्रोजेक्ट के विस्तार के लिए भविष्य में 100 करोड़ तक खर्च होने की उम्मीद है। सफारी में लेपर्ड के अलावा अन्य वन्यजीवों को भी लाने की सरकार की योजना है। अजमेर संभाग में लेपर्ड सफारी बनने पर नायाब पर्यटक स्थल बन सकेगा।

सफारी में छोड़ेंगे पशु

योजनानुसार भैरव मंदिर के पीछे हरी-घास लगाई जाएगी। इसमें विभिन्न प्रजातियों के पशु छोड़े जाएंगे। इससे लेपर्ड भोजन के लिए शिकार कर सकेंगे। मौजूदा वक्त काजीपुरा इलाके में 15 से 20 लेपर्ड का मूवमेंट बना हुआ है। लेपर्ड को शहरी आबादी क्षेत्र में आने से रोकने के लिए फेंसिंग लगाने का काम भी किया जाएगा। सफारी तैयार होने बाद संभाग में लेपर्ड का स्थायी और सुरक्षित ठिकाना बन जाएगा।

यों बढ़ेगा पर्यटन

लेपर्ड सफारी तैयार होने के बाद पर्यटकों को ओपन जिप्सी में भ्रमण की सुविधा मिलेगी। वहीं सफारी में टूरिस्ट गाइड और विशेषज्ञों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। वन क्षेत्र में रिसर्च स्कॉलर्स शोध कर सकेंगे। संभाग की पहले सफारी में देश-विदेश से पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है। प्रदेश के विद्यार्थी भी जैव विविधिता समझ सकेंगे। सफारी तैयार होने के बाद अरावली-नागपहाड़ क्षेत्र में लेपर्ड के संरक्षण में बड़ी मदद मिलेगी और पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी मदद मिलेगी।

लुप्त प्रायः श्रेणी में लेपर्ड

लेपर्ड या तेंदुए को वन्य जीव संरक्षण अधिनियम-1972 के तहत श्रेणी-प्रथम में शामिल किया गया है। यह लुप्त प्रायः श्रेणी में शामिल है। राज्य में इनकी संख्या 750 से 850 के बीच है। अजमेर जिले में पुष्कर, कोटड़ा-नाग पहाड़, तारागढ़ की पहाड़ियों, बड़ल्या, ब्यावर जिले में टॉडगढ़, जवाजा और अन्य स्थानों तेंदुए-लेपर्ड का मूवमेंट रहता है।

जिला कारागृह का किया निरीक्षण

जैसलमेर @ जागरूक जनता। अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ओमी पुरोहित जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जैसलमेर की अध्यक्षता में सचिव, महेन्द्र प्रताप भाटी द्वारा संयुक्त रूप से मंगलवार को जिला कारागृह, जैसलमेर का निरीक्षण किया गया और कारागृह में बंद विचाराधीन कैदियों को उपलब्ध करायी जा रही विधिक सेवाओं की विस्तृत जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जैसलमेर द्वारा प्रदान की जा रही निशुल्क विधिक सहायता तथा लीगल एड डिफेंस काउन्सिल की सुविधाओं के बारे में अवगत कराया।

बसेगा नया शहरः नए प्लॉट होंगे विकसित, मिलेंगी आधुनिक सुविधाएं

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

बालोतरा। पचपदरा रिफाइनरी के आसपास का क्षेत्र आने वाले वर्षों में पश्चिमी राजस्थान का नया औद्योगिक और शहरी विकास केंद्र बनने जा रहा है। राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (रीको) ने यहां उद्योगों के साथ-साथ स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, ग्रुप हाउसिंग, मल्टीप्लेक्स, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, होटल-मोटल, रिसोर्ट और मॉल जैसी आधुनिक सुविधाओं के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इससे क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलने के साथ शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का बड़ा विस्तार होगा। रीको इकाई प्रभारी कुलदीप दाधीच ने बताया कि बालोतरा-बाड़मेर राष्ट्रीय राजमार्ग-25 पर बोरावास-कलावा क्षेत्र में प्रथम चरण के तहत 29.77 हेक्टेयर भूमि पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया गया है। यहां 86 औद्योगिक भूखंडों और 8 प्लग एंड प्ले मॉडल फैक्ट्री शेड्स का नियोजन किया गया है। क्षेत्र में सड़क, बिजली सहित आधारभूत सुविधाएं विकसित की जा चुकी हैं। इसके अलावा दूसरे चरण में 213.70 हैक्टयर भूमि पर विकास किया जायेगा।

257 नए प्लॉट होंगे विकसित

प्रभारी दाधीच के अनुसार अब तक 27 औद्योगिक इकाइयों को 38 भूखंडों (प्लाट) के आवंटन पत्र जारी किए जा चुके हैं। इन इकाइयों में लगभग 89.13 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्तावित है, जिससे करीब 489 लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है। वहीं 7 अन्य सफल आवेदकों को 23 अप्रेल को ऑफर लेटर जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि बोरावास औद्योगिक क्षेत्र के द्वितीय चरण में 213.70 हेक्टेयर भूमि पर 500 वर्ग मीटर से लेकर 1.62 लाख वर्ग मीटर तक के 257 भूखंड विकसित किए जाएंगे। फिलहाल 87.64 हेक्टेयर भूमि पर सड़क, बिजली, स्ट्रीट लाइट और अन्य विकास कार्यों के लिए निविदाएं आमंत्रित की हैं। जल्द ही इस क्षेत्र को भी आवंटन के लिए खोला जाएगा। ऐसे में रिफाइनरी के आसपास विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुलेंगे और क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी।

रिफाइनरी बेल्ट में विकसित होंगी आधुनिक सुविधाएं

राजस्थान सरकार की ओर से रिफाइनरी के आसपास रामनगर (थोब), सिंधियों की ढाणी, वेदरलाई, बोरावास, खेमाबाबा नगर, रातानाडा, मालियों की ढाणी, बाम नेवाई और जेरला की सैकड़ों हेक्टेयर भूमि रीको को आवंटित की गई है। इन क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के साथ शैक्षणिक संस्थान, स्वास्थ्य सुविधाएं, आवासीय योजनाएं, मनोरंजन केंद्र और व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स विकसित किए जाएंगे। रीको इन परियोजनाओं में निवेश के इच्छुक निवेशकों से प्रस्ताव आमंत्रित करने की तैयारी कर रहा है।

शहर के मदरसे के बच्चो ने पक्षियों के लिए बांधे परिण्डे

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। भीषण गर्मी का दौर चल रहा है ऐसे में पक्षियों के लिए पेयजल सुलभ करवाने के लिये गांधी नगर स्थित मदरसा दारुल उलूम रिजविया के बच्चो ने पार्क के बाहर पेड़ पर पक्षियों के लिये परिण्डे बांधकर नियमित पानी भरने का संकल्प लिया। छात्रो ने अपने अपने घरों व मोहल्लों में भी परिण्डे लगाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सदर मोहम्मद रशीद अब्बासी, मौलाना रशीद बरकाती, आवेश अख्तर कूका, हैदर शेख, शाहनवाज मंसूरी, मौलाना हस्साम रजा, मदरसा बोर्ड के जिला उपाध्यक्ष व अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश संयुक्त सचिव सैय्यद अकरम अली ने सहित अन्य समाजजन उपस्थित हुए।

विधायक आक्या ने सुचारू विद्युत सप्लाई हेतु ऊर्जा मंत्री को पत्र लिखकर कराया अवगत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर को पत्र लिखकर विधानसभा क्षैत्र में विभिन्न विकास कार्य कराने का अनुरोध किया है। विधायक आक्या ने उर्जा मंत्री नागर को पत्र लिखकर बताया कि ग्राम पंचायत माताजी की पाण्डोली एवं आस पास की 15 पंचायतो में विद्युत सप्लाई चित्तौड़गढ़ 220 केवी जीएसएस से होती है लेकिन 33 केवी कश्मोर व माताजी की पाण्डोली पर लोड अधिक होने से सप्लाई सुचारू रूप से नही चल पा रही है। इसलिए ग्राम पंचायत माताजी की पाण्डोली व आस पास की 15 पंचायतो में सुचारू विद्युत सप्लाई एवं दिन में भी किसानो को कृषि कार्य हेतु बिना रूकावट बिजली उपलब्ध कराने हेतु ग्राम पंचायत माताजी की पाण्डोली में 132 केवी जीएसएस निर्माण की शीघ्र स्वीकृती जारी कराई जावे। इसी ₹ म में बोजुन्दा में 33/11 केवी जीएसएस निर्माण कराना, ग्राम पंचायत सेमलपुरा में 33/11 केवी जीएसएस का निर्माण कार्य पुर्ण हो चुका है जिसे आरम्भ करने हेतु 3.15 एमबीए का पॉवर ट्रांसफार्मर शीघ्र उपलब्ध कराना व 33/11 केवी जीएसएस गणेशपुरा का कार्य आरडीएसएस में प्रस्तावित ठेकेदार के निरस्त हुए वर्क आर्डर के स्थान पर नया वर्क आर्डर जारी कराने का अनुरोध किया है। विधायक आक्या ने उर्जा मंत्री को पत्र लिखकर विधानसभा क्षेत्र के सतपुड़ा, धनेतकलां, घोसुण्डा, माताजी की पाण्डोली एवं लाखा का खेड़ा के 33/11 केवी जीएसएस पर 3.15 एमबीए का स्वीकृत अतिरिक्त पॉवर ट्रांसफार्मर दिलाने का अनुरोध किया है।

अरबन बैंक ने मनाया 25वां स्थापना दिवस

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिले के सहकारिता क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए चित्तौड़गढ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड ने अपनी स्थापना के 25 वर्ष सफलतापूर्वक पूरे कर लिए हैं। इस ऐतिहासिक और गौरवमयी उपलब्धि के उपलक्ष्य में आज शहर के इंदिरा प्रियदर्शिनी ऑडिटोरियम में एक भव्य श्रजत जयन्ती गौरव महोत्सवश् का आयोजन किया गया। समारोह में गणमान्य जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने शिरकत कर बैंक के इस 25 वर्षों के सफर की सराहना की।

कार्यक्रम का आगाज मुख्य अतिथि पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, विधायक चंद्रभान सिंह आक्या, भाजपा जिलाध्यक्ष रतन गाडरी सहित अन्य विशिष्ट अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद बैंक प्रबंधन और पदाधिकारियों द्वारा सभी अतिथियों का साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर भव्य स्वागत और अभिनंदन किया गया। इस दौरान ऑडिटोरियम बैंक के खाताधारकों, सहकारिता प्रेमियों और शहर के प्रबुद्ध नागरिकों से खचाखच भरा नजर आया।

समारोह को संबोधित करते हुए पंजाब के राज्यपाल कटारिया ने बैंक प्रबंधन और चित्तौड़गढ़ की जनता को बधाई दी। उन्होंने कहा कि किसी भी सहकारी संस्था के लिए विश्वसनीयता के साथ 25 वर्ष पूरे करना एक बड़ी उपलब्धि है। चित्तौड़गढ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक ने स्थानीय व्यापार, मध्यम वर्ग और आम जनता को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने में अनुकरणीय भूमिका निभाई है। सहकारिता की मूल भावना शिबना सहकार नहीं उद्धार को इस बैंक ने धरातल पर सच कर दिखाया है।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बैंक की विकास यात्रा को प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में बैंकिंग सेक्टर में कड़ी प्रतिस्पर्धा है, ऐसे में इस अरबन को-ऑपरेटिव बैंक ने ग्राहकों के भरोसे को जीतकर जो मुकाम हासिल किया है, वह काबिले तारीफ है। देवनानी ने उम्मीद जताई कि आगामी वर्षों में यह बैंक तकनीक और सेवाओं के मामले में नए आयाम स्थापित करेगा। महोत्सव के दौरान बैंक के सफरनामे और वित्तीय उपलब्धियों को लेकर एक प्रस्तुति भी दी गई। बैंक अध्यक्ष डॉ आई एम सेठिया व प्रबंध निदेशक वंदन वजीराणी ने बताया 25 वर्ष पूर्व एक छोटे से पौधे के रूप में शुरू हुआ यह बैंक आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। शून्य से शुरू होकर आज बैंक करोड़ों रुपये के टर्नओवर और मजबूत बैंकिंग नेटवर्क के साथ चित्तौड़गढ़ वासियों की पहली पसंद बना हुआ है। व्यावसायिक बैंकिंग के साथ-साथ बैंक ने जिले के सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक विकास में भी हमेशा बढ़-चढ़कर योगदान दिया है। रजत जयंती के इस ऐतिहासिक अवसर पर बैंक की स्थापना से लेकर अब तक इसके विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले संस्थापक सदस्यों, पूर्व अध्यक्षों, उत्कृष्ट कार्य करने वाले बैंक कर्मियों और प्रबुद्ध खाताधारकों को मंच से सम्मानित किया गया।

जिला प्रभारी सचिव हरजीलाल अटल ने किया समदड़ी उप जिला अस्पताल का निरीक्षण

मरीजों को अस्पताल में ही मिले निशुल्क दवा और जांच सुविधा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

बालोतरा। राजस्थान हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी जयपुर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं बालोतरा जिले के प्रभारी सचिव श्री हरजीलाल अटल ने सोमवार को उप जिला अस्पताल समदड़ी का विस्तृत निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सुविधाओं, साफ-सफाई, दवा वितरण, जांच व्यवस्था तथा मौसमी बीमारियों की रोकथाम संबंधी तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रभारी सचिव हरजीलाल अटल ने अस्पताल की ओपीडी, मेल एवं फीमेल वार्ड का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों से सीधे संवाद किया। उन्होंने मरीजों से दवाइयों की उपलब्धता, जांच सुविधाओं एवं उपचार व्यवस्था के बारे में जानकारी प्राप्त की। प्रसूति वार्ड में जाकर प्रसूताओं एवं नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान इंजेक्शन वार्ड में एंटीबायोटिक इंजेक्शन उचित तापमान पर सुरक्षित नहीं पाए जाने पर उन्होंने संबंधित कार्मिकों को निर्देश दिए कि सभी संवेदनशील दवाइयों एवं इंजेक्शनों को निर्धारित मानकों के अनुसार फ्रीज में सुरक्षित रखा जाए ताकि उनकी गुणवत्ता बनी रहे। भीषण गर्मी एवं हीटवेव की स्थिति को देखते हुए प्रभारी सचिव ने अस्पताल में हीटवेव प्रबंधन की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने वार्डों में मरीजों के लिए उपलब्ध ठंडक व्यवस्था का अवलोकन किया तथा भामाशाहों द्वारा उपलब्ध कराए गए एसी एवं कूलर की सराहना करते हुए अस्पताल प्रशासन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में मरीजों को राहत पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जानी चाहिए। अस्पताल परिसर स्थित स्टाफ क्वार्टरों की स्थिति का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान जर्जर एवं क्षतिग्रस्त क्वार्टरों में किसी भी कार्मिक को नहीं रहने देने के निर्देश दिए गए। साथ ही पुराने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का अवलोकन कर सुरक्षा की दृष्टि से उसे ध्वस्त करने हेतु समिति गठित करने के निर्देश प्रदान किए। लैब निरीक्षण के दौरान उन्होंने जांच रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराने पर जोर देते हुए कहा कि मरीजों को अनावश्यक इंतजार नहीं करवाया जाए।

घर मंगवाये जागरूक जनता

सदस्यता फार्म दिनांक ....

जागरूक जनता हिन्दी अखबार एक उद्देश्य, एक मिशन, एक विश्वास के साथ आमजन की समस्याएं, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सांस्कृतिक गलियारा, भौगोलिक दृष्टिकोण को एक-दूसरे से साझा करने के लिए एक सेतु का काम कर रहा है। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिकतम एवं तकनीकी जानकारी पहुंचाकर शहरी एवं ग्रामीण विकास को प्रोत्साहित कर रहा है। जागरूक जनता समय-समय पर भिन्न-भिन्न विषयों के साथ- अपने पाठकों के बीच उपस्थित रहता है।

सदस्यता राशि

☐ एक वर्ष रु. 250/- ☐ दो वर्ष रु. 450/- ☐ तीन वर्ष रु. 600/- ☐ पांच वर्ष रु. 1000/-

डाक से नियमित रुप से निम्न पते पर जागरूक जनता भेजने के लिए डिमान्ड ड्राफ्ट/मनीऑर्डर जागरूक जनता के नाम भेज रहा हूं। फोन-पे, पेटीएम-9829329070

नाम / संस्था का नाम ....

पता : ....

फोन .... पिन कोड ☐☐☐☐☐☐

राशि (रुपए) .... बैंक का नाम ....

डिमान्ड ड्राफ्ट / मनीऑर्डर क्रमांक ☐☐☐☐☐☐ (डीडी/एमओ जागरूक जनता के नाम भेजें)

- सदस्यता रजिस्ट्रेशन क्रं. ....रसीद क्रं. ....

दिनांक .... हस्ताक्षर

सदस्यता हेतु लिखे प्रसार प्रभारी →

जागरूक जनता सकारात्मक हिन्दी अखबार

बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राज.) मो.- 9829329070, 9928022718

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

56 हजार बुजुर्ग करेंगे मुफ्त तीर्थ यात्रा , आज से आवेदन

एसी ट्रेन और विमान से कराई जाएगी यात्रा

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के तहत इस वर्ष हजारों बुजुर्गों को मुफ्त धार्मिक यात्रा का लाभ मिलेगा। योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 27 मई से शुरू होकर 10 जून तक चलेगी। राज्य सरकार ने इस बार 50 हजार वरिष्ठ नागरिकों को एसी ट्रेनों से और 6 हजार बुजुर्गों को हवाई जहाज से तीर्थ स्थलों की यात्रा कराने का लक्ष्य तय किया है।

27 मई से खुलेंगे ऑनलाइन आवेदन

देवस्थान विभाग की ओर से जारी कार्यर्₹ म के अनुसार इच्छुक बुजुर्ग 27 मई से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। आवेदन प्रक्रिया 10 जून तक जारी रहेगी। चयनित यात्रियों को देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे। योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों को तीर्थ यात्रा का अवसर उपलब्ध कराना है।

एसी ट्रेनों से कराई जाएगी यात्रा

इस बार यात्रियों के लिए विशेष एसी ट्रेनों की व्यवस्था की गई है। यात्रा के दौरान भोजन, चिकित्सा और सुरक्षा जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। सरकार का दावा है कि बुजुर्गों को आरामदायक और सुरक्षित यात्रा अनुभव देने के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए जाएंगे।

धार्मिक धरोहर थीम पर सजेंगे कोच

ट्रेनों के कोच राजस्थान की 20 से अधिक धार्मिक धरोहरों की थीम पर सजाए जाएंगे। इनमें प्रदेश के प्रसिद्ध मंदिरों, लोक संस्कृति और धार्मिक स्थलों की झलक दिखाई जाएगी। इससे यात्रियों को राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत से भी जुड़ने का अवसर मिलेगा।

हवाई यात्रा का भी मिलेगा लाभ

सरकार इस बार 6 हजार बुजुर्गों को हवाई जहाज से भी तीर्थ यात्रा कराएगी। इससे उन वरिष्ठ नागरिकों को सुविधा मिलेगी, जो लंबी ट्रेन यात्रा करने में असमर्थ हैं। योजना को लेकर बुजुर्गों में उत्साह देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में आवेदन आने की संभावना जताई जा रही है।

यात्रा में मिलेगी विशेष सहायता और सुविधाएं

सरकार की ओर से तीर्थ यात्रा के दौरान बुजुर्गों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा। यात्रियों के लिए चिकित्सा दल, सुरक्षा कर्मी और सहायक स्टाफ की व्यवस्था रहेगी। यात्रा के दौरान भोजन, ठहरने और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार और आपातकालीन चिकित्सा सुविधा भी दी जाएगी। विभाग का कहना है कि वरिष्ठ नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए यात्रा प्रबंधन को पहले से मजबूत किया जा रहा है। योजना के तहत अकेले रहने वाले और आर्थिक रूप से कमजोर बुजुर्गों को प्राथमिकता मिलने की संभावना भी जताई जा रही है।

जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहले' अभियान के तहत जागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविर आयोजित

17 विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं से आमजन को किया गया लाभान्वित

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार एवं राज्य सरकार के निर्देशानुसार जनजातीय गौरव उत्सव के अंतर्गत 18 मई 2026 से 25 मई 2026 तक जिले में "जन भागीदारी सबसे दूर, सबसे पहले" अभियान संचालित किया गया। अभियान का शुभारंभ जिला कलक्टर संदेश नायक द्वारा किया गया।

अभियान के अंतर्गत जयपुर जिले की चिन्हित 10 पंचायत समितियों की 105 ग्राम पंचायतों के 177 जनजातीय बाहुल्य गांवों एवं सेवा केंद्रों पर जागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविर आयोजित किए गए। अभियान के समापन अवसर पर जिला परिषद जयपुर की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि अभियान में ग्रामीण विकास विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, आयुष विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, मत्स्य विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, पंचायतीराज विभाग, कौशल एवं आजीविका विकास विभाग, सार्वजनिक निर्माण विभाग, शिक्षा विभाग, पेट्रोलियम विभाग, टेलीकॉम विभाग, सूचना एवं तकनीकी विभाग तथा पर्यटन विभाग सहित 17 विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन को प्रदान की गई।

अभियान के दौरान विभिन्न योजनाओं के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित भी किया गया। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद जयपुर बृजमोहन गुप्ता ने बताया कि जागरूकता एवं लाभ संतृप्ति शिविरों में जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं ई-केवाईसी दस्तावेजीकरण, राशन कार्ड, आयुष्मान भारत कार्ड, यूडीआईडी, एमएमयू, किसान क्रेडिट कार्ड, जनधन खाते, बीमा योजनाएं एवं पीएम किसान निधि सहित विभिन्न योजनाओं से आमजन को लाभान्वित किया गया। जिला प्रशासन द्वारा अभियान के माध्यम से दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने तथा अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करने के प्रयास किए गए।

मंत्री डॉ. मंजू बाघमार को मिला वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स लंदन का अंतरराष्ट्रीय सम्मान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर/ बालोतरा। राजस्थान सरकार में सार्वजनिक निर्माण, महिला एवं बाल विकास तथा बाल अधिकारिता राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। लंदन स्थित प्रतिष्ठित संस्था 'वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' द्वारा उन्हें ब्रिटेन की संसद के पैलेस ऑफ वेस्टमिंस्टर में आयोजित होने वाले 10वें अवॉर्ड समिट के लिए विशेष आमंत्रण प्रदान किया गया है। यह समारोह 26 जून 2026 को लंदन में आयोजित होगा। विशेष बात यह रही कि वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन के वाइस प्रेसिडेंट सुशील गायकवाड़ ने व्यक्तिगत रूप से मंत्री बाघमार को यह सम्मान एवं आमंत्रण प्रदान किया। इस दौरान डॉ बाघमार की

शिक्षा, समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण तथा जनहित में किए गए बहुआयामी कार्यों की सराहना की गई। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व यही अंतरराष्ट्रीय सम्मान राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को प्रदान किया गया था। ऐसे प्रतिष्ठित वैश्विक सम्मान से डॉ. बाघमार का सम्मानित होना संपूर्ण राज्य के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। राज्य मंत्री डॉ. बाघमार ने अपने पेशेवर जीवन में उदयपुर के मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में उत्कृष्ट सेवाएं दी हैं। शिक्षा जगत में उनके योगदान, विद्यार्थियों के मार्गदर्शन और अकादमिक क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों को लंबे समय से सम्मान के साथ देखा जाता रहा है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान शिक्षा और सामाजिक चेतना को जोड़ते हुए कई प्रेरणादायी पहल कीं। राजनीतिक जीवन मे व्यस्त होने के बावजूद भी डॉ. मंजू बाघमार सामाजिक सरोकारों से निरंतर जुड़ी रही हैं। महिला शिक्षा, बाल विकास, सामाजिक जागरूकता, जरूरतमंद वर्गों के सहयोग तथा समाजहित के विभिन्न अभियानों में उनकी सक्रिय भूमिका रही है।

जागरूक जनता jagrukjanta.net फेसबुक पेज
पढ़े, जुड़े और आगे बढ़े
हर खबर से आपको रखें अपडेट
जागरूक जनता
www.facebook.com/jagrukjantanews

राजस्थान सरकार की मंशा अनुरूप "वंदे गंगा" जल संरक्षण जन अभियान 2026 के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान सरकार की मंशा अनुरूप जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने एवं आमजन में जल बचाने के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला कलक्टर संदेश नायक के निर्देशन में "वंदे गंगा" जल संरक्षण जन अभियान 2026 अंतर्गत जिले के समस्त ब्लॉक मुख्यालयों एवं ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न जन-जागरूकता एवं जल संरक्षण गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान अंतर्गत जल संरक्षण एवं जन सहभागिता को बढ़ावा देने हेतु नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया तथा अधिकतम संख्या में आमजन को "वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान 2026" का संकल्प दिलाया गया। इसके साथ ही नवीन अमृत सरोवर, जल संरक्षण एवं जल संवर्धन संरचनाओं का शिलान्यास एवं भूमि पूजन तथा पूर्ण कार्यों का उद्घाटन एवं लोकार्पण किया गया।

हरियालो राजस्थान अभियान अंतर्गत पौधारोपण कार्यों की अग्रिम तैयारियां की गईं। वहीं ओरण एवं चारागाह क्षेत्रों का चिन्हांकन कर घास बुवाई एवं पौधारोपण कार्यों की तैयारी भी सुनिश्चित की गई। "कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान" अंतर्गत स्वीकृत कार्यों का अवलोकन एवं नवीन कार्यों की स्वीकृति भी दी गई। मनरेगा एवं बीजीआरजीवाई योजना अंतर्गत जल संरक्षण कार्य प्रारम्भ किए गए तथा योजनाओं के अंतर्गत शेष रहे कार्यों का प्रगति अनुसार जल संबल जन सहभागिता 2.0 पोर्टल पर इन्द्राज किया गया। जिला प्रशासन ने आमजन, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की, ताकि जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप दिया जा सके।

संपादक : ज्ञानेन्द्र मिश्रा मो.-9829329070, फोन : 0141-3587886, ईमेल : jagrukjantanews@gmail.com (सभी मामलों का न्याय क्षेत्र जयपुर) * पीआरबी एक्ट के तहत खबर चयन के जिम्मेदार। संपादकीय कार्यालय : 132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर (राजस्थान)-302039 समाचार संपादक- चेतेन्द्र कुमार मिश्रा

संस्कार एवं आत्मरक्षा शिविर में महिला संगठनों का सहयोग

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। आर्य गुरुकुल में आर्य वीर दल राजस्थान द्वारा आयोजित 10 दिवसीय प्रांतीय आत्मरक्षा एवं चरित्र निर्माण शिविर के अंतर्गत जिला माहेश्वरी महिला संगठन एवं सेतु मार्ग महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में शिविरार्थी बच्चों के लिए सहयोग राशि सादर भेंट की गई। संगठन सचिव रितु सोडाणी ने बताया कि इस अवसर पर पश्चिमांचल संयुक्त मंत्री कुंतल तुषनीवाल, प्रदेश संगठन मंत्री कृष्णा समदानी, प्रदेश कार्य समिति सदस्य चंदा नामधर, जिला अध्यक्ष लीला अगाल, भावना न्याती, डिंपल बिरला, सरस्वती रांधड, मंजू तोषनीवाल, रतन काबरा, नेहा न्याती, अर्चना मोदानी, राशि मूंदड़ा, रेखा सोमानी, माही माहेश्वरी के सहयोग से कार्यक्रम सेवा, संस्कार एवं समर्पण की भावना के साथ संपन्न हुआ। प्रांतीय संचालक भवदेव शास्त्री, संभाग संचालक विशाल माहेश्वरी, प्रवीण आर्य, जीवन लाल आर्य, जितेंद्र आर्य, दिनेश आर्य, भागचंद आर्य, हर्षित आर्य, आदित्य आर्य, दशरथ आर्य, मनोहर आर्य, जैसे दो दर्जन शिक्षकों और आचार्यों की टीम प्रशिक्षण में सहयोग प्रदान कर रही हैं।

शिविर में सामूहिक जनेऊ संस्कार संपन्न

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। सार्वदेशिक आर्य वीर दल के प्रधान संचालक आचार्य नंदकिशोर के सानिध्य में श्री गुरुकुल में आयोजित प्रांतीय शिविर में आए सभी युवाओं का सामूहिक जनेऊ संस्कार विधि-विधान से संपन्न हुआ। आचार्य नंदकिशोर ने कहा कि आर्य समाज के सिद्धांतों और स्वामी दयानंद सरस्वती जी के विचारों में जनेऊ का महत्व अत्यंत विशेष, क्रांतिकारी और सुधारवादी है। आर्य समाज का स्पष्ट मानना है कि यदि जनेऊ पहनने के बाद भी व्यक्ति के आचरण में पवित्रता, सत्यनिष्ठा और परोपकार की भावना जागृत नहीं होती, तो वह जनेऊ मात्र एक सूत का धागा बनकर रह जाता है।

शुद्ध आहार मिलावट पर वारः दूध विक्रेताओं की सघन जांच

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के अंतर्गत जिले में विशेष एंटी एड्लटरेशन ड्राइव चलाकर दूध व्रिक्रेताओं एवं दूध परिवहन वाहनों की सघन जांच की गई। अभियान का उद्देश्य आमजन को शुद्ध एवं सुरक्षित दुग्ध उत्पाद उपलब्ध कराना रहा। जांच के दौरान विभागीय टीम ने दूध की गुणवत्ता की जांच करते हुए नमूने लिए तथा उन्हें फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स प्रयोगशाला में परीक्षण हेतु जांचा गया। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया कि आमजन के स्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा मिलावटखोरी करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। विभाग द्वारा आगामी दिनों में भी जिलेभर में इस प्रकार के विशेष अभियान लगातार जारी रहेंगे। कार्रवाई के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी घनश्याम शर्मा, पुनीत जोशी एवं लैब इंचार्ज उपस्थित रहे।

सेंती शनि महाराज मंदिर के आस पास स्पीड ब्रेकर की मांग

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। सैंती में बीओबी से लेकर हायर सैकण्डरी स्कूल तक आये दिन वाहनों की दुर्घटनाओं से परेशान निवासियों द्वारा जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप कर निर्धारित स्थानों पर स्पीड ब्रेकर, डिवाईडर बनवाये जाने की मांग की। स्थानीय निवासी प्रेमशंकर पाराशर, इन्द्रसिंह सेठ के अनुसार इस स्थान पर काफी तेज स्पीड से वाहन निकलते हैं। घनी आबादी, व्यस्ततम मार्ग होने एंव सड़क पर कोई अवरोध नहीं होने से तेज गति से वाहन निकलते हैं, राहगीरों को संभलने का मौका नहीं मिलता है और दुर्घटनाएँ हो जाती है। यहाँ के इन्द्रसिंह सेठ, प्रेमशंकर पाराशर, राजेन्द्र कुमार, कैलाश पाठक आदि भी कई बार दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं।

हर्षोल्लाह के साथ मनाया जाएगा ईद उल अजहा का पर्व

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। हर साल की भाती इस साल भी ईद उल अजहा का पर्व हर्षोल्लाह के साथ मनाया जाएगा। अंजुमन मिलते इस्लामिया संस्थान के सदर मोहम्मद इकबाल गुलशन ने बताया कि ईद उल अजहा की नमाज 28 मई को काज़ी ए शहर अब्दुल मुस्तफा चिश्ती करीमी की उपस्थिति में सुबह 8 बजे पुरानी पुलिया ईदगाह मस्जिद एवं साथ ही दरगाह काजी चल फिर शाह दरगाह गोल प्याऊं में प्रातः 8:15 बजे नमाज अदा की जाएगी। ईदगाह मस्जिद में नायब काजी शहर शाही इमाम दरगाह शरीफ मुफ्ती उस्मान अशरफी खीताब फरमाएगे।

सिवाना रिंग क्षेत्र में क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल एक्सप्लोरेशन कार्य को माइंस आरएसएमईटी और जीएसआई परस्पर सहयोग व समन्वय से देंगे गति-एसीएस माइंस

परस्पर समन्वय व सहयोग के लिए राज्य सरकार व जीएसआई बनाएगी नोडल अधिकारी

750 किमी वर्गमीटर क्षेत्र में आरईई के विपुल भण्डार के संकेत

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। खान एवं पेट्रोलियम विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव अपर्णा अरोरा ने कहा कि सिवाना रिंग क्षेत्र में क्रिटिकल और स्ट्रेटेजिक मिनरल्स के एक्सप्लोरेशन कार्य को और अधिक गति देने के लिए माइंस, आरएसएमईटी और जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया मिलकर कार्य करेंगे। करीब 750 वर्ग किमी के सिवाना रिंग क्षेत्र में रेयर अर्थ एलिमेंट के विपुल भण्डार के संकेत से देश के माइनिंग सेक्टर के लिए यह क्षेत्र महत्वपूर्ण हो गया है और इसके लिए इस क्षेत्र में एक्सप्लोरेशन कार्य को और अधिक गति दिये जाने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि परस्पर समन्वय के लिए राज्य सरकार और जीएसआई की ओर से नोडल अधिकारी बनाए जाएंगे। अपर्णा अरोरा केन्द्र सरकार द्वारा गठित ज्वाइंट वर्किंग ग्रुप की 12 वीं मीटिंग की मंगलवार को झालाना स्थित जीएसआई के सभागार में अध्यक्षता कर रही थी। बैठक में केन्द्रीय खान मंत्रालय, राज्य खान विभाग के साथ ही जीएसआई, आईबीएम, एएमडी, आरएसएमईटी सहित संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अपर्णा अरोरा ने कहा कि राजस्थान में विपुल खनिज संपदा है। एक्सप्लोरेशन और मिनरल ब्लॉक तैयार कर ऑक्शन कार्य में तेजी ला रहे हैं। उन्होंने केन्द्र व राज्य सरकार की एक्सप्लोरेशन संस्थाओं से आग्रह किया कि वे एक्सप्लोरेशन कार्य को एक दूसरे को साझा करते हुए आगे बढ़े ताकि ओवरलेपिंग की स्थिति न आए। उन्होंने खनिज पोटाश के भण्डारों की संभावनाओं को तलाशने की आवश्यकता बताई। उन्होंने जीएसआई के मिनरल संग्रहालय का भी अवलोकन किया।

जेड्ब्लूजी के सदस्य सचिव और निदेशक जीएसआई हरीश मिस्त्री ने बताया कि राजस्थान में मेजर मिनरल के ऑक्शन किये गये 136 मिनरल ब्लॉकों में से 110 ब्लॉकों में राज्य के माइंस विभाग द्वारा एक्सप्लोरेशन किया गया है वहीं जीएसआई द्वारा 22, एमईसीएल द्वारा 3 और एएमडी द्वारा एक ब्लॉक एक्सप्लोर किया गया है। इनमें सर्वाधिक 97 ब्लॉक लाइमस्टोन के ऑक्शन किए गए हैं। जीएसआई के उपमहानिदेशक पश्चिम क्षेत्र ललित मोहन सिंह मौरा और उपमहानिदेशक राज्य इकाई विशाल साखरे ने बताया कि 4 मार्च 1851 में स्थापित जीएसआई द्वारा मिनरल एक्सप्लोरेशन बेसलाइन डेटा तैयार करने, सेटेलाइट मैपिंग आदि कार्यों के साथ ही परियोजनाओं के माध्यम से देश के मिनरल खोज कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है।

हाईब्रिड मोड पर आयोजित बैठक में विशिष्ठ सचिव खान, नम्रता वृष्णि, खान मंत्रालय के निदेशक योगेन्द्र भांभू, खान निदेशक महावीर प्रसाद मीणा, अतिरिक्त निदेशक भूविज्ञान आलोक प्रकाश जैन, अधीक्षण भूवैज्ञानिक संजय सक्सैना, सुनील कुमार वर्मा, ओएसडी श्रीकृष्ण शर्मा, निदेशक जीएसआई संजय सिंह, एमईसीएल, आईबीएम, एएमडी, खान विभाग व जीएसआई के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला मेटल माइंस मजदूर संघ द्वारा आयोजित शिविर में 269 यूनिट स्वैच्छिक रक्तदान

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। श्री सांवलिया जी राजकीय चिकित्सालय में ब्लड की कमी को देखते हुए मानवता की सेवा के लिए जिला मेटल माइंस मजदूर संघ एवं चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर मजदूर संघ द्वारा यूनियन आफिस चंदेरिया में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन राजकीय श्री सांवलिया चिकित्सालय के सहयोग से किया गया। शिविर का शुभारंभ चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर के लोकेशन हेड आलोक रंजन, सी एल जेड एस मजदूर संघ महामंत्री घनश्याम सिंह राणावत, जिला मेटल माइंस मजदूर संघ अध्यक्ष रणजीत सिंह भाटी, लोकेशन एच आर हेड ममता शर्मा, यूनियन के महामंत्री एस के मोड़, कोषाध्यक्ष जी एन एस चौहान, मेटल यूनियन महामंत्री महेन्द्र सिंह भाटी, एसएस एण्ड कंपनी के साइट इंचार्ज अशोक कुमार ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। इस अवसर पर जिंक के वरिष्ठ अधिकारी अमित सुराणा, जी मल्लेशम, सूंदर राज, एस एस कंपनी के रश्मि कांत वाघेला संजीव सिन्हा, वामन के साइट इंचार्ज लोकेश खंडपाल, राहुल त्रिवेदी, जिंक अधिकारी रोशन गोसलिया, इन्द्रजीत सिंह भाटी, ऐश्वर्या पालीवाल, नरेन्द्र गहलोत, मेटल माइंस मजदूर संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष देवराज सिंह हाडा, लक्ष्मण सालवी, कान सिंह चौहान सहित पदाधिकारी उपस्थित थे। कंपनी के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में रक्तदान करने पहुंचे। हिंदुस्तान जिंक के कर्मचारियो द्वारा कुल 269 यूनिट रक्तदान किया गया। महिला रक्तदाताओं, श्रमिको के परिजनों ने भी उत्साह से भाग लिया। शिविर में देवीलाल राठौड ने 54वीं बार एवं शोभालाल जाट ने 21वीं बार रक्तदान किया। इस अवसर जिंक के डॉ किशोर सालवी, अविनाश सोनी, एस एस कंपनी के विकास अग्रवाल, छोटू सिंह, वंशप्रदीप सिंह, दिलीप सिंह सिसोदिया, अनिल अग्रवाल, बंशीधर प्रसाद, एसएन खटीक, चंद्रपाल सिंह, विरेन्द्र सिंह चोगावडी, समुंदर सिंह, इंद्र सिंह भाटी, भगवत सिंह, बालू गुर्जर सहित बडी संख्या में रक्तदाता, अधिकारी एवं श्रमिक उपस्थित थे।

पैदावार के अनुसार केन्द्र सरकार समर्थन मूल्य पर गेहूं नहीं तुला पा रही

जयपुर/ नई दिल्ली @ जागरूक जनता। भारतभर में गेहूं की पैदावार 1200 लाख टन अनुमानित है। जिसमें उत्तरप्रदेश में 350 लाख टन, मध्यप्रदेश में 200 लाख टन, पंजाब में 180 लाख टन, हरियाणा में 130 लाख टन, राजस्थान में 120 लाख टन, बिहार में 60 लाख टन, गुजरात में 35 लाख टन तथा अन्य प्रान्तों में करीब 50-60 लाख टन की पैदावार अनुमानित है। समर्थन मूल्य पर सरकार को करीब एक-चौथाई से एक-तिहाई भाग खरीद करना होता है। पर इस बार केन्द्र सरकार के गोदामों में 600 लाख टन गेहूं पुराना पड़ा हुआ है। कवर्ड सारे गोदाम पूरे भारत के गेहूं से भर चुके हैं। चबूतरे पर कैम्प लगाकर खरीदकर चट्ठे लगाये गये हैं और उस पर भी स्थान उपलबध नहीं है। सरकार के पास नया बारदाना वार के चलते ग्रेन्युअल्स उपलब्ध नहीं होने के कारण पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हो पाया है। सरकार ने पुराना बारदाना खरीदने के आदेश दिये हैं एवं वह भी बाजार में उपलब्ध नहीं है। इस कारण सही समय पर गेहू की खरीद नहीं हो पा रही है।

प्रदेश में जल संरक्षण को मिलेगी नई रफ्तार

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के लिए 688 करोड़ से अधिक की वित्तीय स्वीकृतियाँ जारी

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के तहत जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन कार्यों को गति देने के लिए द्वितीय एवं तृतीय चरण के लिए 688.28 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृतियाँ जारी की हैं। अभियान के द्वितीय चरण के लिए जल संरक्षण उपकर निधि से 488.28 करोड़ रुपये तथा तृतीय चरण के लिए राज्य निधि प्रावधान से 200 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कर जारी की गई है।

अभियान के तहत अब तक कुल 988.28 करोड़ रुपये जारी

जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग की निदेशक एवं पदेन विशिष्ट शासन सचिव कल्पना अग्रवाल ने बताया कि जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के तहत प्रदेशभर में जल संरक्षण, जलग्रहण विकास, भू-संरक्षण एवं जल संवर्धन से जुड़े कार्यों को व्यापक स्तर पर रि यान्वित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा 688.28 करोड़ की राशि जारी कर अभियान को नई गति दी गई है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के द्वितीय चरण के लिए इससे पूर्व भी 300 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। इस प्रकार राज्य सरकार द्वारा अभियान के तहत अब तक विभिन्न चरणों में 988.28 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। अभियान के द्वितीय चरण के लिए अब अतिरिक्त 488.28 करोड़ रुपये जारी होने से अभियान को और अधिक मजबूती मिलेगी। यह राशि Water Conservation Cess Committee की स्वीकृति के बाद जारी की गई है। राज्य सरकार द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि इस निधि से किए गए कार्यों का पृथक लेखा रखा जाएगा तथा प्रगति विवरण समिति को प्रस्तुत किया जाएगा।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0 के तृतीय चरण के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 200 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कर 33 जिलों के परियोजना प्रबंधकों के निजी निक्षेप खातों में हस्तांतरित किए जाने के आदेश जारी किए गए हैं।

नवगठित जिलों को भी मिलेगा लाभ

अग्रवाल ने बताया कि जारी स्वीकृतियों में नवगठित जिलों के लिए उपयोग की जाने वाली राशि भी शामिल की गई है। इन जिलों की राशि पूर्ववत पुराने जिलों के निजी निक्षेप खातों में हस्तांतरित की जाएगी, जिससे नवगठित जिलों में भी जल संरक्षण कार्यों को गति मिल सकेगी।

गौमाता को राष्ट्रमाता, हिन्दू राष्ट्र, सनातन धर्म बोर्ड गठन करें सरकार

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

जयपुर। गौमाता सेवक समिति परिवार एवं सभी गौसेवकों गौभक्तों ने ज्येष्ठ पुरुषोत्तम मास अधिकमास में 60 वां गोसेवा महामहोत्सव श्री दादू दयाल गौधाम गोसेवा समिति खोरा बिसल जयपुर में अपार हर्षोल्लास से संकीर्तन करते हुए मनाया गया।

शुरुआत में गोपूत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने सूर्य देव की साक्षी में भगवान् श्री गणेश, विष्णु राधाकृष्ण पूजन, शनि देव जन्मोत्सव वट सावित्री पूजन, त्रिगुणात्मक शक्ति कन्या पूजन, वेदलक्षणा गौमाता पूजन, सर्वपितृ तर्पण पूजन, गोमाता पूजन, सरकार से गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने के लिए शनिदेव वट सावित्री अनुष्ठान एवं सामुहिक हनुमान चालीसा का पाठ करने एवं दिव्य वेदलक्षणा गोमाता कृपा आरती के बाद गौशाला संचालक संत महावीर दास पंडित गिरधारी महाराज एवं नियमित गौसेवकों नये जुड़े गौसेवकों को दुपट्टा, दक्षिणा प्रदान कर अभिनंदन सम्मान किया गया इसके बाद सभी गौसेवकों ने मिलकर गोमाता की पूजा एवं सेवा करके गुड़ केले व हरे चारे का भोग लगाकर दादू दयाल गोधाम में वट वृक्ष वृक्षारोपण कर पेड़ों पर पंछियों के लिए पानी के परिंडे व दाना पात्र लगायें, कीड़ी नगरा, एवं अन्य सेवाएं प्रदान करने के साथ गौशाला में सभी भक्तों ने अपार हर्षोल्लास पूर्वक संकीर्तन किया साथ ही इस अवसर पर गोपूत्र ज्योतिर्विद पंडित मानस संजय मिश्र ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी गौसेवकों एवं श्रद्धालुओं को प्रचंड ज्वलंत गर्मी में पंछियों को दाना पानी सेवा, गौसेवा, जीव सेवा परमो धर्म बताते हुए गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करवाने का संवैधानिक दर्जा दिलाने के साथ ही हिन्दू राष्ट्र एवं सनातन धर्म बोर्ड घोषित करवाने का सरकार से आह्वान किया एवं शासन प्रशासन सरकार से गौरक्षा गोचर ओरण भूमि बचाने की मांग की। इस अवसर पर गोसेवक कमल प्रजापत एवं जगदीश मोदी ने राजस्थान सरकार से गोमाता को राज्यमाता का कानूनी दर्जा देने का आह्वान किया।

इस अवसर पर पंडित मानस संजय मिश्र ने प्रचंड ज्वलंत गर्मी में उपस्थित गौसेवकों से अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर धरती माता एवं प्रकृति को बचाने अखण्ड संकल्प दिलाकर पर्यावरण बचाओ अभियान का श्रीगणेश किया।

इस अवसर पर गौमाता सेवक समिति परिवार की तरफ से श्री दादू दयाल गौधाम में 21 मण सुखा चारा, 601 पुली हरा चारा, गुड़ के कार्टून, चार तगारी दो फावड़े, 11 पेड़ वृक्षारोपण के लिए, पंछीयो के लिए 51 दाना पात्र एवं परिण्डे, कीड़ी नगरा एवं 31 टिन शेड गौमाता की छाया के लिए एवं अन्य सेवाओं के साथ दादू दयाल गौधाम के विकास के लिए 52 हजार रूपए का चैक गौधाम संचालक संत महावीर प्रसाद को प्रदान किया। समापन पर सामुहिक प्रसादी ग्रहण कर उपस्थित सभी गौसेवकों एवं श्रद्धालुओं का आभार प्रकट किया!

इस अवसर पर रामचंद्र, विनोद, भंवरलाल, महेंद्र, सांवरलाल, बजरंग लाल प्रजापत, सतीश शर्मा, मुकेश शर्मा, मनीष गुप्ता, अर्जुन सोनी, सुरेश सोनी, एवं समस्त गणमान्य खोरा बिसल निवासी आमजन उपस्थित थे साधुवाद जय गोमाता जय गोपाल।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत जिलेभर में जनभागीदारी के साथ हुए विविध कार्यक्रम

जागरूक जनता नेटवर्क
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। राज्य सरकार के निर्देशानुसार चलाए जा रहे वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के दूसरे दिन मंगलवार को जिलेभर में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के माध्यम से व्यापक स्तर पर जनजागरूकता एवं जल संरक्षण गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के तहत जिले की ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित हुए। मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक ने बताया कि अभियान के अंतर्गत जिले की 34 ग्राम पंचायतों में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन कर आमजन को जल संरक्षण का संदेश देने के साथ ही जल बचाने एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। इनमें बड़ी सादड़ी की 2, बेगूं की 5, भदेसर की 2, भैंसरोड़गढ़ की 5, भूपालसागर की 5, चित्तौड़गढ़ की 2, डूंगला की 2, गंगरार की 4, कपासन की 4, निम्बाहेड़ा की 3 तथा राशमी की 5 ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित हुए। अभियान के तहत जिले की 295 ग्राम पंचायतों में स्थित 74 अमृत सरोवर एवं अन्य जल संरक्षण संरचनाओं का पूजन, अवलोकन एवं पूर्ण कार्यों का निरीक्षण किया गया। साथ ही नवीन जल संरक्षण कार्यों एवं संरचनाओं के शिलान्यास, भूमि पूजन तथा लोकार्पण कार्यक्रम भी संपन्न हुए। हरियालो राजस्थान अभियान के तृतीय चरण के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम पंचायत में ओरण एवं चारागाह भूमि का चिन्हीकरण करते हुए स्वीकृतियां जारी की गईं तथा 56 स्थानों पर पौधारोपण के लिए अग्रिम मृदा कार्य प्रारंभ करवाए गए। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026-27 में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा जिले में 11 लाख 92 हजार पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के अंतर्गत पंचायत समिति बड़ीसादड़ी क्षेत्र में गत वर्ष निर्मित 125 रिचार्ज शाफ्ट कार्यों में से 83 कार्यों का अवलोकन किया गया। वहीं जल संचय जनभागीदारी 2.0 अभियान के तहत 1200 नवीन जल संरचनाओं का पोर्टल पर इन्द्राज भी सुनिश्चित किया गया।